हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 | अंक : 04 | प्रयागराज, मंगलवार 04 अप्रैल , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

ट्रेन में शख्स ने पेट्रोल डाल तीन लोगों को जिंदा फूंका, केरल हादसे में पुलिस को टेरर एंगल का शक

कोझिकोड। केरल में कोझिकोड के एलत्तूर रेलवे स्टेशन के पास पटरियों से एक साल के बच्चे और एक महिला समेत तीन लोगों के शव मिले हैं। इससे कुछ घंटे पहले ही एक व्यक्ति ने एक एक्सप्रेस ट्रेन में अपने सह यात्री को कथित रूप से आग लगा दी थी जिसमें आठ अन्य भी जख्मी हो गए थे। जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार देर रात पटरियों से एक महिला, एक बच्चे और एक पुरुष के शव बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि रविवार को आग लगाने की घटना के बाद से ही तीनों ट्रेन से लापता थे।पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि रात करीब पौने 10 बजे जब अलप्पुझा–कन्नूर एक्जीक्यूटिव एक्सप्रेस ट्रेन कोझिकोड शहर को पार कर यहां कोरापुझा रेलवे पुल पर पहुंची तो एक अज्ञात व्यक्ति ने सहयात्री पर ज्वलनशील पदार्थ उड़ेल कर आग लगा दी जिससे कम से कम आठ लोग झुलस गए। घटना के बाद यात्रियों ने ट्रेन की चेन खींच दी जिसके बाद आरोपी भाग गया, जबकि घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया। जब ट्रेन कन्नूर पहुंची, तो कुछ यात्रियों ने घटना के बाद एक महिला और एक बच्चे के लापता होने की शिकायत

की।एक यात्री ने कन्नूर में मीडिया को बताया, "एक घायल शख्स महिला और बच्चे की तलाश कर रहा था। हमें उस महिला के जूते और मोबाइल फोन मिले हैं।" लापता लोगों की खबर सामने आने के तुरंत बाद, पुलिस ने पटरियों का निरीक्षण किया और महिला, बच्चे तथा एक व्यक्ति सहित तीन शव बरामद किए। पुलिस को शक है कि घटना में वे ट्रेन से गिर गए या उन्होंने रेल गाड़ी से उतरने का प्रयास किया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, "लापता हुई महिला और बच्चे का शव पटरियों पर मिला। एक अज्ञात व्यक्ति का शव भी मिला है। हमें संदिग्ध का सीसीटीवी फुटेज मिल गया है। जांच जारी है।" सूत्रों ने बताया कि महिला बच्चे की रिश्तेदार थी। कुल नौ लोगों को इलाज के लिए कोझिकोड मेडिकल कॉलेज सहित विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मामले में और विवरण का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस को शक है कि आग लगने की घटना को देखने के बाद वे ट्रेन से गिर गए या उन्होंने रेल गाड़ी से उतरने की कोशिश की थी। रेलवे पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, "जांच जारी है। फोरेंसिक टीम घटना स्थल की जांच कर रही है।" अधिकारी ने कहा कि माना जाता है कि आरोपी का सामान अलप्पुझा–कन्नूर एक्जीक्यूटिव एक्सप्रेस ट्रेन से बरामद किया गया है और इसमें पेट्रोल की एक बोतल है। उन्होंने कहा, "इसके अलावा बैग में और कोई सुराग नहीं मिला। इसे आतंकी कृत्य नहीं माना जा रहा है। फिलहाल इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है।" पुलिस ने कहा कि रात करीब पौने 10 बजे जब ट्रेन कोझिकोड शहर को पार कर यहां कोरापुझा रेलवे पुल पर पहुंची तो एक अज्ञात व्यक्ति ने सहयात्री पर ज्वलनशील पदार्थ उड़ेल कर आग लगा दी जिससे नौ लोग झुलस गए। रेलवे पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया, "कुछ घायल 50 प्रतिशत तक जल गए हैं, लेकिन अब उनका स्वास्थ स्थिर है।" उन्होंने कहा कि पटरियों पर मिले शवों पर जलने के निशान नहीं हैं। घटना के बाद आरोपी भाग गया, जबकि यात्रियों ने ट्रेन की चेन खींच दी जिसके बाद घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया। जब ट्रेन कन्नूर पहुंची, तो कुछ यात्रियों ने घटना के बाद एक महिला और एक बच्चे के लापता होने की शिकायत की। एक यात्री ने कन्नूर में मीडिया को बताया, "एक घायल व्यक्ति महिला और बच्चे की तलाश कर रहा था।

ओपी राजभर का बड़ा बयान, अखिलेश यादव अपरिपक्व तो स्वामी प्रसाद मौर्य दो मुंहवाले नेता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर के सितमसराय इलाके में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने पत्रकारों से बात करते हुए बड़ा बयान दिया है। दरअसल, राजभर ने स्वामी प्रसाद मौर्य को दो मुंहवाला नेता करार दिया है। उन्होंने मौर्य पर तंज कसते हुए कहा कि वह पार्टी को आगे नहीं ले जा पाएंगे। समाजवादी पार्टी की हालत ये है कि अब उसमें दो धड़ है। एक ही धड़ चाहता है समाजवादी चुनाव जीते।

दूसरा धड़ बीजेपी को जिताने के लिए और समाजवादी पार्टी को हराने में जुटा हुआ है।बता दें कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर जौनपुर के सितमसराय इलाके में पार्टी के कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां उन्होंने अपने निशाने पर सपा और बसपा को रखा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अभी संगठन ही नहीं ब ना पा रही है तो चुनाव से लड़ेगी उनके राज में भी भ्रष्टाचार चरम पर था। मुसलमान समझ चुके हैं कि अखिलेश यादव डरा कर उनसे सिर्फ वोट ले रहे हैं उनके बारे में नहीं सोचते। राजभर ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि अखिलेश यादव अपरिपक्व नेता हैं, इसलिए उनकी नहीं बनती है।

अनिल जयसिंघानी की याचिका को कोर्ट ने किया खारिज, देवेंद्र फडणवीस की पत्नी को रिश्वत देने का आरोप

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमश्त फडणवीस को ब्लैकमेल करने और रिश्वत देने के कथित प्रयास के मामले में संदिग्ध सटोरिये अनिल जयसिंघानी की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उसकी याचिका सोमवार को खारिज कर दी। जयसिंघानी ने अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति ए एस गडकरी की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि याचिका में कोई आधार नहीं है, इसलिए इसे खारिज किया जाता है। दक्षिण मुंबई के मालाबार थाने ने कथित तौर पर कुछ ऑडियो और वीडियो क्लिप सार्वजनिक करने की धमकी देने के मामले में अनिल जयसिंघानी और उसकी बेटी अनिष्का जयसिंघानी के खिलाफ 20 फरवरी को प्राथमिकी दर्ज की थी। क्लिप में कथित रूप से अमश्ता फडणवीस के अनिष्का से फायदा उठाने की कोशिश करने की बात प्रदर्शित होने का दावा किया गया। उन पर भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। अनिष्का को इस मामले में 17 मार्च को गिरफ्तार किया गया था और एक सत्र अदालत ने 27 मार्च

को उसे जमानत दे दी। उसके पिता अनिल को बाद में मुंबई पुलिस ने गुजरात से गिरफ्तार किया और वह न्यायिक हिरासत में है। अनिल जयसिंघानी ने उच्च न्यायालय में अपनी याचिका में दावा किया था कि उसे मामले में 19 मार्च को अवैध तरीके से गिरफ्तार किया गया था, लेकिन कानूनी अनिवार्यता के अनुसार 24 घंटे के अंदर अदालत में पेश नहीं किया गया।अनिल के वकील मृगेंद्र सिंह ने दलील दी थी कि उसे गिरफ्तारी के 36 घंटे बाद मुंबई की अदालत में पेश किया गया था। सिंह ने आरोप लगाया कि मामले में हर चीज पर शिकायतकर्ता के पति नजर रख रहे हैं जो महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री हैं। राज्य के महाधिवक्ता बीरेंद्र सराफ ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि पुलिस ने पूरी प्रक्रिया का पालन उचित तरीके से किया और जयसिंघानी को रिमांड के लिए अदालत में पेश करने में कोई देरी नहीं हुई।

पीएम मोदी से मिले सीएम धामी, चारधाम यात्रा और आदि कैलाश आने का दिया न्यौता

नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट कर राज्य को दी जा रही केंद्रीय सहायता के लिए उनका आभार जताया। साथ ही धामी ने पीएम मोदी को चारधाम यात्रा पर उत्तराखंड आने का निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान पीएम मोदी को बताया कि जोशीमठ भूस्खलन एवं भू–धंसाव के लिए ढाई हजार करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज की जरूरत है। राज्य में पीएमजीएसवाई के तहत 473 कार्य बाकी रह गए हैं और उनको अगले साल मार्च तक की अनुमति देने, पिथौरागढ़ से हवाई सेवाओं का संचालन करने, हरिद्वार से वाराणसी के लिए वन्दे भारत रेल सेवा शुरू करने और जमरानी बांध बहुउद्देशीय परियोजना के लिए वित्तीय स्वीकृति आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी से पारित कराने का आग्रह किया। उन्होंने पीएम मोदी को बताया कि राज्य सरकार की मडुवा की खरीद करने तथा झंगोरा की खीर मिड डे मील में शामिल करने की भी योजना है। धामी ने पीएम मोदी से करीब एक घंटे तक बातचीत की और राज्य की विभिन्न योजनाओं की उन्हें

जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी को चार धाम यात्रा के साथ ही कैलाश मानसरोवर एवं लोहाघाट स्थित मायावती आश्रम आने का भी न्यौता दिया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को चमोली जिले के जोशीमठ पिछले दिनों हुए भूधंसाव से प्रभावित लोगों के राहत और विस्थापन कार्यों की भी जानकारी दी और भूस्खलन एवं भू–धंसाव से जुड़े कार्यों के लिए 2942.99 करोड़ रुपए के पैकेज देने की आवश्यकता भी जताई। उनका कहना था कि इस पैकेज से प्रभावितों को अस्थाई राहत देने के साथ ही स्थायी पुनर्वास, भूमि अधिग्रहण तथा अवसंरचनाओं की मरम्मत का काम किया जाएगा।धामी ने प्रधानमंत्री से जमरानी बांध बहुउद्देशीय परियोजना की वित्तीय स्वीकृति आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी से भी कराए जाने का अनुरोध किया और हरिद्वार से वाराणसी के बीच वन्दे भारत रेल सेवा शुरू करने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बड़ी सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने पिथौरागढ़ के नैनी सैनी हवाई अड्डे में हवाई सेवाओं के संचालन करने तथा हवाई अड्डे के विस्तारीकरण के लिए हवाई अड्डे को रक्षा मंत्रालय को हस्तांतरित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने राज्य में पीएमजीएसवाइ–प्रथम तथा द्वितीय चरण के सभी शेष 473 कार्यों को पूरा करने के लिए मार्च 2024 तक की अनुमति प्रदान करने का भी निवेदन किया।

झारखंड: चतरा में पुलिस और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़, पांच नक्सली ढेर

चतरा। झारखंड के चतरा जिले में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में पांच माओवादियों को मार गिराया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ राजधानी रांची से 160 किलोमीटर दूर लावालौंग पुलिस थाना क्षेत्र में चतरा–पलामू सीमा के पास हुई। चतरा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) राकेश रंजन ने बताया, ''पांच माओवादियों को मार गिराया गया और कई अन्य गोली लगने से घायल हो गए। मारे गए सभी माओवादियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से बड़ी मात्रा में हथियार एवं गोलाबारूद बरामद हुआ है। अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) अशोक प्रियदर्शी ने कहा कि गोलीबारी सुबह करीब साढ़े आठ बजे शुरू हुई थी। उन्होंने बताया, ''जब्त हथियारों में दो एके–47 राइफल और दो देसी राइफल शामिल हैं। तलाश अभियान अब भी जारी है। श्री प्रियदर्शी ने बताया कि माओवादी स्पेशल एरिया कमेटी (एसएसी) के सदस्य गौतम पासवान पर 25 लाख रुपये का इनाम था और समझा जाता है कि मुठभेड़ में वह मारा गया है।

संसद और देश को होनी चाहिए पीएम की शिक्षा की जानकारी, संजय राउत ने केजरीवाल के सुर से मिलाया सुर

मुंबई। शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी शैक्षणिक योग्यता की जानकारी देने के लिए आगे आना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सवाल किया कि इसे छिपाने की क्या जरूरत है। राज्यसभा सदस्य राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री की डिग्री संसद भवन के प्रवेश द्वार पर प्रदर्शित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संसद सदस्यों और देश को उनकी शैक्षणिक योग्यता के बारे में जानकारी होनी चाहिए। राउत ने नयी दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह टिप्पणी की। गुजरात उच्च न्यायालय ने तीन दिन पहले केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के उस आदेश को रद्द कर दिया था जिसमें गुजरात विश्वविद्यालय को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री की जानकारी देने को कहा गया था। राउत ने कहा, "नरेंद्र मोदी ने रेलवे प्लेटफॉर्म पर चाय बेची और 'एंटायर पॉलिटिकल साइंस में एमए किया। यह डिग्री ऐतिहासिक और क्रांतिकारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए संसद भवन के भव्य प्रवेश द्वार

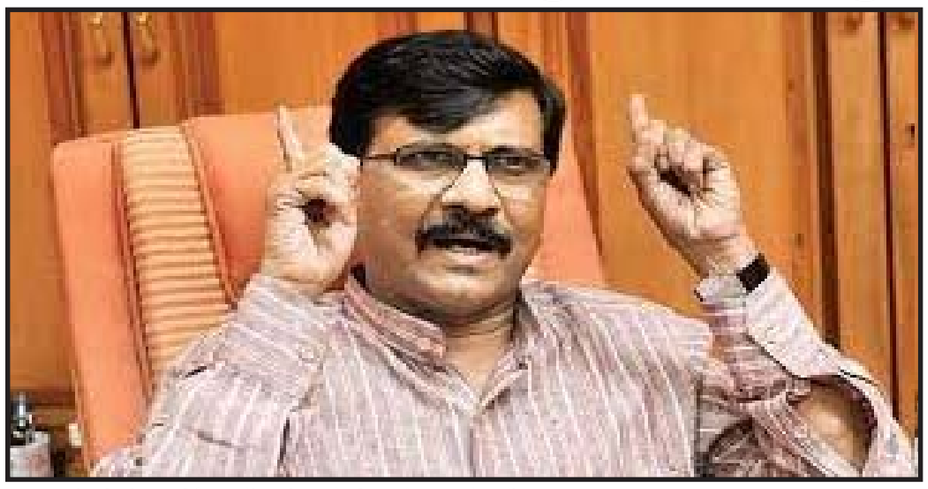

पर अपनी डिग्री प्रदर्शित करेंकृपूरी संसद और देश को उनकी शिक्षा के बारे में जानकारी होनी चाहिए। इसके पीछे क्या रहस्य है, इसे कोई क्यों छिपाएगा। पार्टी प्रवक्ता राउत ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनकी डिग्री का ब्यौरा मांगा, लेकिन उन पर (गुजरात की एक अदालत द्वारा) 25,000 रुपए का जुर्माना लगा दिया गया। उन्होंने कहा, अगर राष्ट्रपति, हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश या हमारी डिग्री की मांग की जा सकती है, तो प्रधानमंत्री की शैक्षणिक योग्यता को क्यों छुपाया जाए? मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी को आगे आकर स्पष्टीकरण देना चाहिए। राउत ने दावा किया कि भाजपा के ज्यादातर नेताओं की डिग्री फर्जी हैं। उन्होंने कहा, यह फर्जी डिग्री की फैक्ट्री है, आप इसे जानते हैं। कोई भी नाम लें और उनकी डिग्री की जांच कर लें। यह सवाल किए जाने पर कि क्या अडाणी समूह से जुड़े मुद्दे से संसद में ध्यान हटाने के लिए डिग्री मामला सामने आया, राउत ने कहा, "गौतम अडाणी का मुद्दा खत्म नहीं हुआ है। हमारे नेता उद्धव ठाकरे ने भी इसे उठाया है और छत्रपति संभाजीनगर में रविवार की अपनी रैली में इस मुद्दे पर जोर दिया था। राउत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का भी समर्थन किया, जिन्हें उनकी एक टिप्पणी को लेकर आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद लोकसभा की सदस्यता के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी को अयोग्य ठहराया जाना अवैध है और मामला भी फर्जी है।

दिल्ली: मनीष सिसोदिया को नहीं मिली राहत, कोर्ट ने 17 अप्रैल तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को एक बार फिर कोर्ट से झटका लगा है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने शराब घोटाला मामले में दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम की न्यायिक हिरासत को 17 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी। सिसोदिया को विशेष न्यायाधीश एम.के. नागपाल के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने जांच एजेंसी के अनुरोध पर पूर्व उपमुख्यमंत्री की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी। सीबीआई ने अदालत को बताया कि घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में जांच महत्वपूर्ण चरण में है। सिसोदिया को 2021–22 के लिए आबकारी नीति तैयार करने और उसके क्रियान्वयन में कथित भ्रष्टाचार को लेकर गिरफ्तार किया गया था। न्यायाधीश नागपाल ने अपने आदेश में कहा कि जांच के इस चरण में अदालत सिसोदिया को जमानत पर रिहा करने के लिए इच्छुक नहीं है क्योंकि उनकी रिहाई से चल रही जांच पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और प्रगति में भी

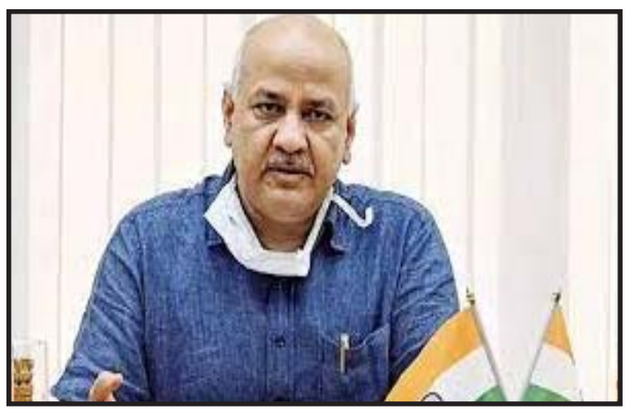

गंभीर बाधा आएगी। जांच एजेंसी द्वारा अब तक एकत्र किए गए सबूतों से पता चलता है कि सह–आरोपी विजय नायर के माध्यम से आवेदक श्साउथ लॉबीश के संपर्क में था और उनके लिए एक अनुकूल नीति तैयार करना हर कीमत पर सुनिश्चित किया जा रहा था और एक कार्टेल बनाया गया था। पसंदीदा निर्माताओं के कुछ शराब ब्रांडों की बिक्री में एकाधिकार प्राप्त करने के लिए गठन की अनुमति दी गई थी और इसे नीति के बहुत ही उद्देश्यों के विरुद्ध करने की अनुमति दी गई थी। अदालत ने कहा, इस प्रकार, अभियोजन पक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों और उनके समर्थन में अब तक एकत्र किए गए सबूतों के अनुसार, आवेदक को प्रथम दृष्टया उक्त आपराधिक साजिश का सूत्रधार माना जा सकता है। सिसोदिया के खिलाफ लगाए गए आरोप प्रकृति में गंभीर हैं और वह जमानत पर रिहा होने के लायक नहीं हैं क्योंकि उन्हें 26 फरवरी को ही सीबीआई मामले में गिरफ्तार किया गया था और उनकी भूमिका की जांच अभी भी पूरी नहीं हुई है। अदालत ने कहा कि इस मामले में सात अन्य सह–आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर करना इस तरह के मामले में ज्यादा मायने नहीं रखता है, जहां बड़े पैमाने पर लोगों को प्रभावित करने वाले कुछ आर्थिक अपराधों को अंजाम देने की गहरी साजिश रची गई है। इसमें कहा गया है कि सीबीआई द्वारा अब तक एकत्र किए गए सबूतों से न केवल सिसोदिया की आपराधिक साजिश में सक्रिय भागीदारी का पता चलता है, बल्कि उनके द्वारा पीसी अधिनियम के कुछ महत्वपूर्ण अपराधों का भी प्रथम दृष्टया पता चलता है। पिछली सुनवाई के दौरान, सिसोदिया के एक वकील ने कहा था कि सीबीआई द्वारा कुछ भी असाधारण नहीं कहा गया है, जिसके लिए हिरासत जारी रखने की आवश्यकता होगी।

राहुल गांधी ने किसी को नहीं बुलाया, जो नेता सूरत पहुंच रहे वो उनका निजी निर्णय है : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी देश के लिए लड़ रहे हैं और ऐसे में पार्टी के नेता उनके समर्थन के लिए सूरत पहुंच रहे हैं तथा यह कोई शक्ति प्रदर्शन नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी ने किसी को बुलाया नहीं है और जो भी नेता सूरत पहुंच रहे हैं वो उनका निर्णय है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 2019 के आपराधिक मानहानि मामले में अपनी दोषसिद्धि के खिलाफ अपील दायर करने के लिए सोमवार को सूरत की एक अदालत में मौजूद रहेंगे। प्रियंका गांधी वाद्रा, कांग्रेस शासित तीन राज्यों के मुख्यमंत्री और पार्टी के अन्य राष्ट्रीय नेता और राज्य इकाइयों के नेता अदालत तक उनके साथ जा सकते हैं। खरगे ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''यह (नेताओं का सूरत पहुंचना) शक्ति प्रदर्शन नहीं है। राहुल जी हमारे नेता हैं तो नेता के साथ खड़े होने के लिए सभी जाते हैं। जब किसी के खिलाफ मामला होता है तो परिवार के लोग जाते हैं। यह तो पार्टी है और राहुल जी देश के लिए लड़ रहे हैं। हमारे लोग वहां पहुंच रहे हैं और हौसला अफजाई कर रहे हैं। उनका कहना था, ''यह पार्टी के लोगों का निर्णय है, उन्होंने (राहुल) किसी को नहीं बुलाया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''अदालत के निर्णय पर हम बहस नहीं कर सकते। हम अन्याय के खिलाफ तो लड़ सकते हैं। हम सरकार के खिलाफ लड़ रहे हैं। अडाणी घोटाले को लेकर सरकार नहीं चाहती है कि जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) की जांच हो। इस मांग को टालने की कोशिश को रही है। सरकार यह तय करके आती है और सदन को स्थगित करवा देती है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि सूरत जाने वाले कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की 'अवैध गिरफ्तारी की जा रही है। उन्होंने कुछ तस्वीरें साझा करते हुए ट्वीट किया, ''गुजरात की भाजपा सरकार द्वारा कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं को सूरत जाने से रोकने के लिए अवैध गिरफ्तारी करने के समाचार लगातार मिल रहे हैं। भाजपा का अलोकतांत्रिक चेहरा बार–बार बेनकाब हो रहा है।

राहुल गांधी के साथ अन्य नेताओं के जाने पर रिजिजू ने खड़े किए सवाल, कहा,कोर्ट पर दबाव बनाने की बचकानी कोशिश

नई दिल्ली। केंद्रीय विधि मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को दावा किया कि कांग्रेस न्यायपालिका पर 'अनुचित दबाव बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सूरत की एक अदालत में उपस्थित होने के लिए जाते समय उनके साथ पार्टी के नेताओं के जाने की योजना पर सवाल खड़ा किया। राहुल गांधी 'मोदी उपनाम वाले अपने बयान से संबंधित आपराधिक मानहानि के मामले में दोषी ठहराये जाने के खिलाफ गुजरात के सूरत की एक अदालत में अपील दायर करने सोमवार को वहां पहुंचेंगे। सूत्रों ने बताया कि उनके साथ कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाद्रा, कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, अन्य राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय नेता भी जा सकते हैं। राहुल के वकीलों ने कहा कि सत्र अदालत सोमवार को ही मामले को सुनवाई के लिए ले सकती है। रिजिजू ने कहा, ''मेरा सीधा सवाल है। कांग्रेस न्यायपालिका पर इस तरह का अनुचित दबाव बनाने की कोशिश क्यों कर रही है। न्यायिक मामलों से निपटने के तरीके होते हैं। लेकिन क्या यह तरीका है? उन्होंने सवाल किया कि क्या पहले ऐसा कोई मामला देखने में आया है जब कोई पार्टी अदालत का 'घेराव करने की कोशिश कर रही है। रिजिजू ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्रवाई करता है तो वे ईडी दफ्तर का घेराव करना चाहते हैं। जब सीबीआई कार्रवाई करती है तो वे सीबीआई का घेराव करना चाहते हैं। जब अदालत फैसला सुनाती है तो वे अदालत परिसरों का घेराव करना चाहते हैं। इस तरह की गतिविधियां लोकतंत्र को कमजोर करती है और हर भारतीय को इसकी निंदा करनी चाहिए। राहुल गांधी के अदालत जाते समय उनके साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के जाने की योजना को ''एक परिवार की चापलूसी करार देते हुए रिजिजू ने प्रश्न किया कि क्या परिवार देश से ऊपर है?

सम्पादकीय

सांझ की टीस

हरियाणा के चरखी दादरी की उस घटना ने हर किसी संवेदनशील व्यक्ति को व्यथित किया जिसमें संपन्न, पढ़े–लिखे व उच्च अधिकारियों के परिवार के बच्चों की ओर से घोर उपेक्षा के चलते बुजुर्ग मां–बाप ने आत्महत्या कर ली। खबरों के अनुसार, वश्द्ध दंपति का आरोप था कि उनके बच्चे तीस करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं और वे रोटी के लिये तरस रहे हैं। महिला की गंभीर बीमारी भी इस संकट का एक पहलू है। वैसे इस घटनाक्रम का विवरण पुलिस रिपोर्ट के आधार पर है और वास्तविक तथ्य तो जांच के बाद सामने आएंगे। लेकिन एक बात तो तय है कि यह मामला सिर्फ मां–बाप की भूख का ही नहीं है। निस्संदेह, यह मामला हमारे बदलते परिवेश में जीवन मूल्यों के क्षरण का भी है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि बढ़ती उम्र के साथ शरीर बीमारियों का घर बन जाता है। जीवन के अंतिम चरण का भय, अनुकूल परिस्थितियां न होने से व्यक्ति में उपजा तनाव कालांतर अवसाद व झुंझलाहट को जन्म देता है। यह भी एक तथ्य है कि पुरानी पीढ़ी लगातार बदलते परिवेश में नई पीढ़ी के बच्चों के साथ सामंजस्य बनाने में असहज नजर आती है। ऐसे ही नई पीढ़ी भी पुरानी पीढ़ी की आकांक्षाओं के अनुरूप सामंजस्य नहीं बना पा रही है। बच्चे नौकरी, अपने परिवार के दायित्वों व पत्नी की पसंद–नापसंद से द्वंद्व करते रहते हैं। वहीं दूसरी ओर परंपरागत भारतीय समाज में माता–पिता उस सोच से मुक्त नहीं हो पाये हैं कि बेटा तो अच्छा, बहू खराब है, बेटी तो अच्छी मगर दामाद खराब है। दरअसल, बुजुर्गों को ढलती उम्र के साथ ही योजनाबद्ध ढंग से आगे बढ़ना चाहिए। सेवानिवृत्ति से पहले ही आगे के जीवन के लिये कारगर योजना बनानी चाहिए। अपने स्वास्थ्य की प्राथमिकता तय करनी चाहिए। यह बात दिमाग में रखनी चाहिए कि ऐसा भी हो सकता है कि बुढ़ापे में बच्चों का सहयोग न मिले। गांठ का पैसा व सेहत का धन उम्र–दराज होने पर काम आ सकता है। इसके अलावा समय के हिसाब से पुरानी पीढ़ी को भी नई पीढ़ी के साथ सामंजस्य बनाना चाहिए। उन्हें अपने बच्चों के घर–परिवार के साथ हाथ बंटाना चाहिए। वक्त की सच्चाई को स्वीकार करना चाहिए। यह मान लें कि अब वो पीढ़ी नहीं रही जो सेवक की तरह सेवा करने में विश्वास करती हो। इस तथ्य को मां–बाप को गारंटी मानकर नहीं चलना चाहिए कि जिन बच्चों को पाला–पोसा, पढ़ाया–लिखाया वे बुढ़ापे में सेवा करेंगे ही। इसलिये बुजुर्गों को हाथ–पैर चलने तक अपना ख्याल खुद रखना चाहिए। प्रौढ़ता के साथ यह सोच लेना चाहिए कि बच्चों से तालमेल न बनाया तो वृद्धाश्रम की राह पकड़नी पड़ सकती है। हालांकि, भारतीय जीवन दर्शन के अनुरूप ओल्ड ऐज होम का विचार मेल नहीं खाता। माता–पिता भी आत्ममंथन करें कि बेटे–बेटियां यदि आपकी परवरिश से कतरा रहे हैं तो कहीं उनके लालन–पालन में आप से भी कोई कमी जरूर रह गई है। बहुत संभव है कि आपका व्यवहार अपने माता–पिता के प्रति ऐसा न रहा हो, जिससे बच्चे प्रेरित हुए हों।

म्यूटतंत्र में बदलता लोकतंत्र!

भारतीय कानून और कोर्ट के फैसले का सम्मान है लेकिन जो कालक्रम है जिसका आरोप कांग्रेस भी लगा रही है। उसको लेकर जरूर संदेह किया जा सकता है कि मानहानि के केस में पहली बार किसी नेता को जेल की सजा मुकर्रर किया गया और वो भी अधिकतम। आश्चर्य इस बात पर भी है कि जिस कर्नाटक के कोल्हार में दिए भाषण पर राहुल को सजा हुई है। उस पर चुनाव आयोग ने संज्ञान क्यों नहीं लिया?एक बार एक आदमी डॉक्टर के पास गया और बोला– डॉक्टर साब शरीर में जहां भी उंगली लगाता हूं वहां दर्द होता है। डॉक्टर ने पूरे शरीर को चेक किया तो पता चला समस्या शरीर में नहीं,उंगली में है। ठीक वैसे ही 2014 के बाद वाली भाजपा ये बात बहुत पहले समझ गई थी कि श्सच और सत्ताश के बीच में जो मैकनिज्म आ रहा है वो है–श्लोकतंत्रश। दरअसल लोकतंत्र ही वो उंगली है जो समूचे विपक्ष,जनता,मीडिया और अन्य संगठन जो विपक्ष की भूमिका में हैं उनको ऑक्सीजन दे रहा है। तो क्या जिस जनता के लिए,जनता के द्वारा और जनता के शासन वाली प्रक्रिया से भाजपा सत्ता में आई थी अब उसी तंत्र को म्यूट कर देना चाहती है? ये सवाल लगातार विपक्ष के द्वारा उठाया जा रहा है कि सरकार लोकतंत्र का अंत्येष्टि कर देना चाहती है। संसद में जनता के सवाल पर माइक म्यूट कर देती है तो सड़क पर सवाल पूछने वालों के यहां सरकारी एजेंसियों को भेज कर ताकत का गलत दुरुपयोग कर रही है।ताजा घटना का जिक्र करें तो जिस तरीके से राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द की गई, ये लोकतंत्र को म्यूटतंत्र में बदलने का खुला उद्घोष सा लगता है। आखिर क्या राहुल को इसलिए संसद से म्यूट करा दिया गया क्योंकि वो लगातार सरकार से अडानी, चीन, अर्थव्यवस्था, क्रोनी कैपटलिज्म, महंगाई और बेरोजगारी पर सवाल पूछ रहे थे? ये सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं कि राहुल के संसद में दिए पिछले भाषण को 18 जगह से स्पंज किया गया।भारतीय कानून और कोर्ट के फैसले का सम्मान है लेकिन जो कालक्रम है जिसका आरोप कांग्रेस भी लगा रही है। उसको लेकर जरूर संदेह किया जा सकता है कि मानहानि के केस में पहली बार किसी नेता को जेल की सजा मुकर्रर किया गया और वो भी अधिकतम। आश्चर्य इस बात पर भी है कि जिस कर्नाटक के कोल्हार में दिए भाषण पर राहुल को सजा हुई है। उस पर चुनाव आयोग ने संज्ञान क्यों नहीं लिया? और सजा गुजरात के सूरत में मिली। गुजरात मॉडल का डंका 2014 से ही इस देश मे गूंज रहा है।

दार्शनिक चिंतन: भारतीय अर्वाचीन संस्कृति और सनातनी ज्ञान आज के संदर्भ में ज्यादा प्रभावी

साहित्य सत्य की साधना है शिवत्व की कामना और सौंदर्य की अभिव्यंजना हैस शुद्ध, जीवंत एवं उत्कृष्ट साहित्य मानव एवं समाज की संवेदना और उसकी सहज वृत्तियों को युगों युगों तक जनमानस मैं संचारित करता रहता हैस और यही कारण है कि कालिदास, सूरदास, कबीर, प्रेमचंद, शेक्सपियर की कृतियाँ आज भी लोगों के मध्य अपनी रस सुधा से हृदय को भिगोती रहती है। राजनैतिक और भौगोलिक दृष्टि से विश्व कितने ही भागों में बट जाए, मतभेद और विवादों की खाई कितनी भी गहरी हो जाए, पर साहित्य ध रातल पर सब सामान्य और एक हैं। दुनिया में मानव एक है। उनकी रचनाएं सभी जगह एक और समान हैस यह भी सत्य है कि किसी भी देश की भाषा और साहित्य के अध ययन के आधार पर वहां की सभ्यता संस्कृति के विकास का सहज विधि ा का अनुमान लगाया जा सकता है। साहित्य में मानवीय समाज के सुख–दुख, आशा निराशा, उत्थान पतन का स्पष्ट चित्रण होता है। साहित्य की इन्हीं विशेषताओं के कारण साहित्य कालजई और सास्वत होता है। मुंशी प्रेमचंद जी ने साहित्य को ष्जीवन की आलोचनाष भी कहा है। साहित्य एक स्वायत्त आत्मा है, और उसकी सृष्टि करने वाला भी ठीक से नहीं घोषणा कर सकता है कि उसके द्वारा रचे गये साहित्य की अनुगूंज कब और कहां तक जाएगी। इस तरह साहित्य का सत्य समाज की नैतिक चिंता है। समाज की विसंगतियों को दूर करने वाला एक बड़ा रक्षक भी है। प्राचीन मनीषियों द्वारा लिखा गया साहित्य अत्यंत आकर्षक एवं प्रिय इसलिए भी लगता है कि मनुष्यता का एक संपूर्ण चरित्र चित्रण होता है। साहित्य और संस्कृति एक दूसरे से गहरे जुड़े हुए हैं। मानवी जीवन की तरह साहित्य मैं भी संघर्ष और निरंतरता की निरंतरता समाहित होती है। समय और परिस्थिति की संस्कृति का प्रभाव साहित्य पर निरंतर परिलक्षित होता रहता है। यह साहित्य ही है जो वर्तमान को सामने रख भविष्य की रूपरेखा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समाज की सुषुप्त विवेक शक्ति को जागृत कर समाज का दिशा दर्शन भी करता है। अपने समय की विसंगतियों को दूर करने के साथ ही गुणात्मक साहित्य सदैव प्रासंगिक बना रहता है। समाज और जनमानस को आलोक स्तंभ की तरह पल्लवित एवं प्रकाशित करता है। वर्तमान के भौतिक समय में जब मानवता और संवेदना की पीड़ा की गूंज सभी जगह फैली हुई है, ऐसे में सत साहिब से और अर्वाचीन संस्कृति दिशा दर्शन और माननीय संवेदनाओं को संबल देने में अत्यंत प्रासंगिक भी है। यह कतई कहने की आवश्यकता नहीं है कि श्रेष्ठ साहित्य वही है जो मनुष्य के भीतर और बाहर प्रासंगिक मूल्यों,संदेश और उद्देश्यों को समाए रखता है। कबीर दास रविंद्र नाथ टैगोर, शरद चंद, जयशंकर प्रसाद, रेणु, प्रेमचंद, शेक्सपियर, होमर, मिल्टन आदि का साहित्य जनमानस के मन में और जीवन में रच बस गया है। इन्होंने प्रतिभा सापेक्ष श्रेष्ठ रचनाएं समाज को दी हैं। और यही कारण है इनकी रचनाओं से संस्कृति की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। साहित्य सदैव सामाजिक प्रक्रिया के आर्थिक राजनीतिक और समकालीन विचारध ारा से बहुत ज्यादा प्रभावित रहा है। उनको प्रभावित भी करता है। इस तरह साहित्य संस्कृति के परिपेक्ष में देश कालिक होता है। शाहिद आदर्शवादी हो या आशावादी इस संदर्भ में अलग–अलग विद्वानों के अलग–अलग मत हैं। इस जीवन की आपाधापी में जहां निराशा कुंठा और समाजिक अंधविश्वास का भ्रम फैला है। वहां आशावादी दृष्टिकोण साहित्य के दायित्व को और गहरा बनाता है।

इन दोनों बातों के समाधान के लिए जयशंकर प्रसाद की चंद पंक्तियां बहुत ही प्रासंगिक होगी कि ष्जीवन की अभिव्यक्ति यथार्थवाद है और अभाव की पूर्ति आदर्शवाद। साहित्य की पूर्णता के लिए यथार्थवाद और आशावाद दोनों का समन्वित रूप होना चाहिए वास्तव में संस्कृति साहित्य के लिए एक प्रेरणा है ।और संस्कृति साहित्य पर समय और काल पर अवलंबित होती है। साहित्य और संस्कृति दूसरे एक दूसरे के निश्चित तौर पर पूरक हैं। वर्तमान संदर्भ में ज्यादा प्रासंगिक भी। आशा करते हैं कि हिंदी साहित्य वैश्विक फलक पर बहुत ही शीघ्र अपना परचम स्थापित करेगा।–**संजीव ठाकुर**

एक्ट ऑफ गॉड नहीं हैं हादसे

इंदौर में रामनवमी उत्सव पर बैलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर में हुए हादसे में 36 लोगों की मौत के बाद उनके परिवार मातम में डूबे हुए हैं और लोग इन लोगों की मौत को भगवान की मर्जी कहकर दुख बांटने का प्रयास कर रहे हैं। धार्मिक उत्सवों पर कभी भगदड़ मचने से लोगों की मौत हो जाती है तो सरकारें मश्तकों के परिवारों को मुआवजे की घोषणा करती है। जांच के आदेश दिए जाते हैं। कुछ दिन बाद हादसों को भुला दिया जाता है और नए हादसे का इंतजार किया जाता है। हादसों को अधिकांश लोग एक्ट ऑफ गॉड मान लेते हैं और कहते हैं कि जीवन और मरण इंसान के हाथ में नहीं है, जिसकी जितनी सांसें लिखी हुई हैं उतना ही जीवन होता है। भारत धर्म परायण लोगों का देशध्है जहां मोक्ष की कामना में लोग तीर्थ स्थानों की यात्रा करते हैं। जब कुप्रबंधन की वजह से या अन्य कारणों से लोगों की मौतें हो जाती हैं तो इसे भगवान की मर्जी करार दे दिया जाता है। ऐसे हादसे एक्ट ऑफ गॉड नहीं हो सकते। यह एक्ट ऑफ मैन होते हैं। हादसे मानव निर्मित हैं। अब जो तथ्य सामने आ रहे हैं वह यह हैं कि सदियों पुरानी किसी बावड़ी पर छत डाल कर मंदिर बना दिया गया था। मंदिर बनने के बाद अवैध अतिक्रमण होता गया। इसी वर्ष जनवरी में ही प्रशासन ने अवैध अतिक्रमण को 7 दिनों में हटाने का निर्देश दिया था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह इलाका इंदौर नगर निगम के तहत आता है। 10 साल पहले नगर निगम के उद्यान में ही बावड़ी के ऊपर पत्थर की सिलियां डालकर मंदिर का विस्तार किया गया था। मंदिर का निर्माण ही अवैध था। भारत में भगदड़ की 80 प्रतिशत घटनाएं धार्मिक स्थलों और ध ार्मिक उत्सवों पर ही होती हैं। हमने आज तक भीड़ प्रबंधन की कला नहीं सीखी। सिस्टम की लापरवाही और भ्रष्ट तंत्र के चलते लोग अकस्मात मौतों का शिकार हो रहे हैं। लोग उदाहरण देते हैं कि किस तरह सड़कों के किनारे अवैध रूप से पूजा स्थल और इबादत स्थल बन चुके हैं और ध र्म के नाम पर गोरख धंधा चल रहा है। सार्वजनिक स्थानों पर हुए हर तरह के अतिक्रमण रोकने के लिए 2009 में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया था कि अगर शहरों के विकास में और सड़कों के किनारे कोई भी अतिक्रमण बाधा डालता है तो उसे तुरन्त हटाया जाए। इसमें कोई धार्मिक स्थल भी आता है तो उसे विस्थापित कर विकास की राह खोली जाए। इस मामले में सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक स्थलों के निर्माण को अवैध करार दिया था। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशध्पर कई जगह धार्मिक स्थल हटाने की कार्रवाई भी की गई है। पिछले महीने 14 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट परिसर से एक मस्जिद को हटाने का निर्देश भी दिया है। शीर्ष अदालत ने मस्जिद हटाए जाने का विरोध करने वाले याचिकाकर्ता को बताया कि मस्जिद एक खत्म हो चुके पट्टे पर ली गई भूमि पर है और वे अधिकार के रूप में इसे कायम रखने का दावा नहीं कर सकते। यद्यपि इंदौर मंदिर हादसे को लेकर मंदिर ट्रस्ट के अध यक्ष और अन्य पदाधिकारियों पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या हमारे देश में धर्म स्थान सुरक्षित हैं। क्या सभी धार्मिक स्थलों का सुरक्षा ऑडिट नहीं किया जाना चाहिए ताकि ऐसे हादसों को रोका जा सके। पहले तो धर्म स्थलों का निर्माण अवैध रूप से होना ही नहीं चाहिए। जब धर्म स्थल बन जाते हैं तो प्रशासन के हाथ–पांव बंधे हुए दिखाई देते हैं। अगर स्थानीय निकाय एक्शन लें तो लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हो जाती हैं। कभी–कभी लोग हिंसक आंदोलन भी करने लग जाते हैं। हद तो इस बात की है कि बावड़ी की छत पर बैठे जो लोग कन्या पूजन कर रहे थे उन्हें इस बात का अहसास ही नहीं था कि इतना बड़ा हादसा हो सकता है। भारत में धर्म स्थलों की समस्या बहुत गम्भीर है, क्योंकि वह योजनाबद्ध तरीके से बनाए ही नहीं गए। न तो वहां कर्मकांडों के लिए पर्याप्त सुविधाएं होती हैं और न ही सुरक्षा का कोई माहौल होता है। मंदिरों को वास्तुकला के हिसाब से और ध ार्मिक महत्व के हिसाब से बनाया जाता था। मूर्तियों की प्रतिष्ठापना भी धार्मिक परम्पराओं के अनुरूप की जाती थी लेकिन आज सरकारी भूमि पर कब्जा कर कहीं भी पहले तस्वीरें रखी जाती हैं, छोटा सा मंदिर बना दिया जाता है और फिर वह धीरे–धीरे विस्तार करता रहता है और आस्थावान लोगों की भीड़ इकट्ठी होनी शुरू हो जाती है। हादसों को रोकने के लिए धार्मिक स्थलों का सुरक्षा ऑडिट होना बहुत जरूरी है ताकि लोगों को मौत से बचाया जा सके।–**आदित्य नारायण**

आज का राशिफल

मेष :– भौतिक आकांक्षाएं सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनाने का प्रयास करें।

वृषभ :– नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य पूर्ण होने के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा।

मिथुन :– विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। रोजगार क्षेत्र में क्षमता का पूर्ण लाभ उठाएंगे।

कर्क :– भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में मनोवांछित सफलता के आसार हैं। मन सुन्दर कल्पनाओं से प्रभावित रहेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

सिंह :– कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होगी। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिंतित होगा। घर में खुशहाल माहौल होगा।

कन्या :– भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे अपयश या लान्छन मिलने की आशंका हो।

तुला :– निकट संबंधो में भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में मनोवान्छित सफलता के आसार है। रोजगार में लाभकारी स्थिति मन को खुश रखेगी।

वृश्चिक :– परिवार में कोई सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी। कार्यक्षेत्र में संबंधों का भरपूर लाभ मिलेगा। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे। जीवन साथी के साथ मधुरता बनाएं।

धनु :– कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होंगी। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। विद्यार्थी शिक्षा–प्रतियोगिता में लापरवाही न बरतें।

मकर :– महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मन पर प्रभावी होंगी। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। किसी नये संबंध के प्रति निकटता बढ़ेगी। घर–परिवार में मांगलिक कार्यक्रम होने की उम्मीद है।

कुंभ :– कुछ नये पारिवारिक तनावों से मन में अशांति का माहौल बनेगा। कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। शिक्षार्थी शिक्षा पर ध्यान दें। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य कतई न करें।

मीन :– नवीन आशाएं नये उत्साह का संचार करेंगी। नकारात्मक चिंताएं उत्साह में कमी लाएंगी। क्रोध पर काबू रखें और आवेश में कोई निर्णय न लें। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

त्योहार पर हिंसा

होली के दिन विसाल का रंगजातीयता–साम्प्रदायिकता पर आधी–अधूरी नहीं, निर्णायक बहस जरूरीरामनवमी के दिन देश के कई राज्यों में सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी और कई राज्यों में हालात अब तक सामान्य नहीं हैं। कुछ बरस पहले तक सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं, आगजनी, तोड़फोड़ जैसी खबरें समाज में घबराहट का माहौल बना देती थीं। लोग केवल अपनी ही नहीं, समाज और देश की सुरक्षा के लिए भी चिंतित हो जाते थे। मगर देश बदलने की जो नयी धुन लोगों में भर दी गई है, उसके बाद संवेदनाएं भी बदल गई हैं। अब धर्म की सुरक्षा का सवाल इतना अहम हो गया है कि इसके आगे जिंदा इंसानों का कोई मोल नहीं। इंसान जिएं या मरें, धर्म अमर रहना चाहिए, कुछ इस सोच के साथ देश आगे बढ़ रहा है। अब त्योहारों का मतलब भी खुशियां मनाना और बांटना नहीं, बल्कि अपने धर्म के परचम को ऊंचा करके लहराना है ताकि दूसरे धर्म के लोगों को आतंकित किया जा सके।रामनवमी सदियों से देश के बड़े हिस्से में मनाया जाता रहा है, और इसमें कभी हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं रहा। मगर अब ऐसा नहीं रहा है। रामनवमी हो या विजयादशमी, शस्त्रों का प्रदर्शन किया जाता है, शोभायात्राओं के बहाने सड़क पर बहुसंख्यक होने के गौरव का अशोभनीय प्रदर्शन किया जाता है। दूसरे तमाम धर्मावलंबियों को चालाकी से यह संदेश देने की कोशिश की जाती है कि वे इस देश में दोयम दर्जे के नागरिक हैं। संविधान में ऐसा कहीं नहीं लिखा है, लेकिन अभी तो एक नया ही राजनैतिक विधान रचा जा रहा है, जिसमें इस तरह की सोच को बढ़ावा मिल रहा है। रामनवमी पर बिहार, प.बंगाल, महाराष्ट्र, झारखंड, गुजरात ऐसे तमाम राज्यों से जो तस्वीरें और खबरें सामने आईं, वो चिंतित करने वाली हैं।

रामनवमी के जुलूसों में लाठी, भाले लेकर चलना, जुलूस को जबरदस्ती दूसरे धार्मिक स्थलों के सामने से लेकर गुजारना, इमारतों पर भगवा रंग पोत देना, हनुमान जी का गुस्से वाला चेहरा, राम जी की प्रत्यंचा ताने क्रोधित मुद्रा वाले पोस्टर लगाना और तेज आवाज में धार्मिक गीत बजाना, ये सारी हरकतें किसी कोण से राम जी की भक्ति वाली नजर नहीं आती।बल्कि इनके पीछे दूसरे ध र्मावलंबियों को छेड़ने, भड़काने और हिंसा के लिए उकसाने की साजिश नजर आती है। हिंदू धर्म कभी संकीर्ण और अनुदार नहीं रहा है। अगर रहा होता, तो भारतीय समाज में गंगा–जमुनी संस्कृति जैसी मिसालें कभी बनती ही नहीं। भारतीय संस्कृति की खासियत अनेकता में एकता वाली रही है और इसे संविध ान में भी बखूबी निभाया गया है। मगर अब इस खासियत को तंग नजरिए से तोड़ा जा रहा है. जो चिंता की बात है।इस बार नवरात्रि और रमजान साथ–साथ चले, जो बहुत सामान्य बात है। इससे पहले भी कई बार दो धर्मों के त्योहारों की तारीखें आस–पास पड़ती रही हैं। ऐसे में समझदारी दिखाते हुए इस तरह से आयोजन किए जाते रहे हैं, जिससे कोई किसी के लिए उलझन या बाधा न खड़ी कर सके। धार्मिक शोभायात्राओं के लिए स्थानीय प्रशासन अनुमति देता है, वही जुलूस निकलने का रास्ता तय करता है, जुलूस में कितने लोग शामिल हो सकते हैं, इसका अनुमान लगाया जाता है। सारी संभावनाओं पर विचार करने के बाद ही जुलूस को आगे बढ़ने की अनुमति मिलती है।

सबसे पहले हम भारतीय हैं

भारत के सन्दर्भ में सर्वोच्च प्राथमिकता इस तथ्य को देनी होगी कि इसकी सांस्कृतिक विरासत 'असहमति' के बीच 'सहमति' बना कर चलने वाले सकल समाज की रही है। ईसा से छह सौ साल पहले ही गौतम बुद्ध व भगवान महावीर के दर्शन ने हमें 'आत्म दीपोभव' का जो ज्ञान दिया उसी में भिन्न–भिन्न मत–मतान्तरों के बीच सर्वप्रथम मानवता वाद को प्रतिष्ठापित करते हुए असहमति को स्थापित विचार के रूप में स्वीकार किया और 'कथनचित' की महत्ता स्थापित की। मगर भारत का सत्य जानने के लिए इतना पीछे जाने की भी जरूरत नहीं है क्योंकि भारत में जो भी दूसरे मजहब विदेशी धरती से आये उन पर भी भारत के इस दर्शन की छाप पड़ी। 16वीं शताब्दी में जब ईरान के शहंशाह ने भारत पर शासन करने वाले बादशाह अकबर से यह पूछा कि वह बतायें कि वह कौन से मुसलमान हैं अर्थात शिया हैं अथवा सुन्नी हैं तो अकबर ने उत्तर लिखा कि वह 'हिन्दोस्तानी मुसलमान' हैं। अतः ताजा इतिहास को ही लें तो केवल सात सौ साल पहले ही भारत में भारतीयता का भाव इतना प्रखर था कि बादशाह को भी कहना पड़ा कि भारत की मिट्टी की तासीर में ही भारतीयता है।

यह तासीर हिन्दू–मुसलमान के भेद से ऊपर कल भी थी और आज भी है और इस हकीकत के बावजूद है कि 1947 में ही मुहम्मद अली जिन्ना ने मजहब की बुनियाद पर भारत के दो टुकड़े करा दिये। मगर पाकिस्तान का वजीरे आजम शहबाज शरीफ अपने देश की ही एक जनसभा में अपने राजनैतिक विरोधी इमरान खान के झूठ का पर्दाफाश करने की कोशिश में यह कहता है कि अपनी हुक्मरानी में सैकड़ों पाप करने वाला इमरान खान आज खुद को 'सती सावित्री' जैसा दिखाता घूम रहा है तो हमें उस भारत की तासीर का गुमान बड़ी आसानी से हो सकता है जो 1947 से पहले तक एक ही था। भारत की सांस्कृतिक मान्यताएं कभी भी किसी मजहब की दीवारों में कैद नहीं रही हैं। इससे यही साबित होता है कि हमारा मजहब जुदा हो सकता है मगर हमारी सामाजिक चेतना एक ही है। अतः भारत में रहने वाले हर मजहब का नागरिक सबसे पहले भारतीय है और उसके बाद हिन्दू या मुसलमान। भारत की पिछले पांच हजार साल की संस्कृति में कभी भी यहां के लोग मूर्ख या जाहिल नहीं रहे। अग्रेजों को छोड़ कर इस देश के शासक जो लोग भी रहे उन्होंने भारत की मिट्टी की तासीर को पहचाना और यहां की रवायतों को जिन्दा रखते हुए हुक्मरानी की। यहां तक कि मुस्लिम सुल्तानों व मुगल शासकों ने भी भारत की राजधर्म की परिभाषा को अंगीकार किया और उसी के अनुरूप शासन चलाने की कोशिश भी की। यदि औरंगजेब को छोड़ दिया जाये तो किसी भी मुगल बादशाह ने इन रवायतों के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश नहीं की। इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि आठ सौ वर्षों तक मुस्लिम शासन रहने के बावजूद 1947 तक पूरे अंखड भारत में मुस्लिमों की जनसंख्या मात्र 25 प्रतिशत थी। इसका जवाब भी हमें भारत का मध यकालीन इतिहास ही देता है और बताता है कि किसी भी मुस्लिम शासक ने धर्म परिवर्तन को अपनी नीति का अंग नहीं बनाया। मगर ऐसा भी नहीं है कि उस काल में धर्म परिवर्तन नहीं हुआ, बेशक धर्म परिवर्तन किया गया मगर इसके कारण स्थानीय स्तर के हुक्मरानों की तर्ज में ढूंढे जा सकते हैं मगर इसके बावजूद भारत की इन्द्रध नुषी समावेशी संस्कृति में यह ताकत रही कि इसने विभिन्न मजहबों की रूढिध्यों व परंपराओं को अपनी तासीर के मुताबिक ढाला और भारतीयता का जामा पहनाया जिसकी सबसे बड़ी नजीर हमें संयुक्त पंजाब की संस्कृति में ही मिलती है। सिख पंथ का उदय इसका सबसे बड़ा प्रमाण है जिसने सिर्फ मानवता वाद का उपदेश ही दिया। यह भारत की ही तासीर थी कि यहां मुस्लिम पीर–फकीरों ने भी हिन्दू दर्शन की कई मान्यताओं को समाहित किया और भारत की मिट्टी का एहतराम करते हुए दक्षिण भारत के लोगों के लिए दक्खिनी हिन्दी तक को विकसित किया। ऐसा करने वाले पहले सूफी सन्त औरंगाबाद के होली पीर ही थे जो बाद में गुजरात चले गये थे। जिस प्रकार पंजाब में सूफी सन्त व औलियाओं की लम्बी परंपरा है उसी प्रकार महाराष्ट्र राज्य में भी है। पाकिस्तान के पंजाब में आज भी ब्याह–शादियों में केसरिया चुन्नी ही दुल्हिन का शृंगार होती है और इस अवसर पर गाये जाने वाले लोकगीत भी इसी भाव के होते हैं। अतः हमें सबसे पहले यह सोचना चाहिए कि आजाद हिन्दोस्तान में हिन्दू–मुस्लिम फसादों की कितनी जगह है जबकि समूचे भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था इन दोनों सम्प्रदायों के कन्धों पर ही टिकी हुई है। कट्टरपंथी सोच के लोग दोनों तरफ हैं तो क्या हम इन्हें अपना आका बनने दे सकते हैं जबकि आका तो हर भारतीय है। हमें याद रखना चाहिए कि अखंड भारत में अलग स्वतन्त्र मुस्लिम राज्य बनाये जाने के पहले पैरोकार अल्लामा इकबाल के साथ उनके इस विचार के परखचे उड़ाने वाला भी कोई हिन्दू नहीं बल्कि मुसलमान ही था और उसका नाम मौलाना हसन मदनी था जो देवबंद के जमीयत उल–उलमाएं–हिन्द के सरपरस्त थे। उन्होंने कहा था कि भारत की लोगों की मजहब के आधार पर अलग–अलग राष्ट्रीयता नहीं हो सकती क्योंकि उनकी राष्ट्रीयता संयुक्त या मुतैहदा है। अपने ताजा इतिहास पर हमें गर्व करना भी आना चाहिए।

आनलाइन नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगे एक रुपये

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। बिजनौर इलाके में जालसाजों ने दो दिन पहले एक व्यक्ति को ऑनलाइन इंस्टाग्राम पर लाइक और फॉलो करके पैसे कमाने का झांसा देकर उससे एक लाख रुपए से अधिक रकम ऐंठ ली। बाद में अपने साथ धोखाधड़ी होने की भनक लगने पर पीड़ित ने बिजनौर थाने में मामला दर्ज कराया है। पुलिस साइबर सेल की मदद से जालसाज का पता लगा रही है। बिजनौर के छुआरा खेड़ा, औरंगाबाद निवासी अजय कुमार के मुताबिक उसके मोबाइल पर व्हाट्सएप 916376956735 के जरिए एक मैसेज आया कि ऑनलाइन इंस्टाग्राम पर लाइक और फॉलो करके पैसे कमा सकते हैं। जब अजय ने इंस्टाग्राम आईडी फॉलो की तो उसके पास टेलीग्राम पर एक ग्रुप पर बात करने को कहा गया। बात करने के बाद उसको एक साइट दी गई और उस पर यूजर आईडी बनाकर बताने को कहा गया। जब उसने यूजर आईडी बता दी तो दूसरी ओर से उसके अकाउंट में 210 भेज दिए गए। इसके बाद दूसरे टेलीग्राम ग्रुप को बता कर एक स्टाग्राम आईडी देने को कहा। साथ ही उसे भी लाइक और फॉलो कर स्क्रीन साइट मांगी गई। उसने जब ऐसा किया तो 10 लाइक पर 700 रुपये अजय के अकाउंट में भेज दिए गए। साथ ही यह कहा गया कि दिन में एक दो बार प्रीपेड टास्क दिया जाएगा, जिससे ज्यादा प्रॉफिट होगा। अजय उनके झांसे में आ गया। उसने बताए गए पहले प्रीपेड टास्क के लिए अकाउंट में 5000 रुपए भेज कर उसका स्क्रीनशॉट भेज दिया। इसके बाद दूसरे प्रीपेड टास्क पर बताए अकाउंट में 35000 भेजने को कहा गया। नहीं भेजने पर 5000 रुपये वापस ना मिलने की बात कही गई। इस पर उसने बताए गए अकाउंट पर 35000 रुपये भेज दे दिए। इसी तरह तीसरे टास्क में भी उसने अकाउंट में 98000 भेज दिए। इसके बाद चौथे टास्क में उससे 169800 रुपये की मांग की गई। लेकिन अजय का अकाउंट तब तक खाली हो चुका था। इस पर अजय को भनक लगी कि उसके साथ ठगी की जा रही है और उसने आगे की रकम भेजने से मना करदिया। जब उसने भेजे गए अपने 138000 रुपये वापस करने को कहा तो जालसाज ने सारे टास्क कंपलीट हुए बिना पैसे वापस देने से मना कर दिया। फिलहाल जालसाजी का शिकार हुए अजय ने मामले की सूचना बिजनौर थाने में दी। बिजनौर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर साइबर सेल की मदद से जालसाज का पता लगा रही है।

बाइक सवार युवकों को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, एक की मौत एक घायल

मिल्कीपुर–अयोध्या। कुमारगंज थाना क्षेत्र के रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित शिवनाथ पुर के पास दो बाइक सवार युवकों को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। सड़क हादसे में एक की मौत तथा एक गंभीर रूप से घायल हो गया। बता दें कि इनायत नगर थाना क्षेत्र के श्री चंद पुत्र गंगाराम निवासी बरिया देई तथा सूरज पुत्र रजई निवासी गुजरा मऊ रविवार को बाइक से कुमारगंज थाना क्षेत्र के पिठला गांव अपने चाचा के ससुराल में बर्थडे पार्टी में शामिल होने गए थे। दोनों युवक पिठला गांव से रात लगभग 10 बजे वापस अपने घर आ रहे थे वह कस्बा कुमारगंज के शिवनाथपुर पहुंचे ही थे तभी विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रही अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों द्वारा घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची कुमारगंज पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से आनन–फानन में कुमारगंज के पिठला स्थित सौ सैय्या अस्पताल इलाज के लिए पहुंचाया गया।

सड़क पर बेसुध पड़े युवक की अस्पताल में मौत

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर इलाके का एक युवक रविवार देर शाम पीजीआई इलाके में बेसुध पड़ा मिला। जानकारी पाकर पहुंचे परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।सरोजनीनगर के चिल्लावां गांव निवासी मुकेश रावत (31) चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर मजदूरी करता था। पुलिस के मुताबिक मुकेश ने रविवार देर शाम इलाके के आजाद नगर निवासी अपने एक साथी के साथ पहले शराब पी। उसके बाद दोनों पीजीआई इलाके में नशीला इंजेक्शन खरीदने पहुंचे। जहां उन्होंने नशा करने के लिए इंजेक्शन लेकर खुद के लगा लिया। कुछ देर बाद मुकेश की हालत बिगड़ने लगी और वह अचेत हो गया। उसकी हालत बिगड़ती देख मुकेश के साथी ने इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दी। सूचना पाकर पहुंचे परिजनों ने मुकेश को आनन–फानन लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। लेकिन इसके बावजूद परिजन उसे अमौसी स्थित टीएसएम हॉस्पिटल उठा ले गए। वहां भी चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बाद में परिजन उसे लेकर सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। लेकिन यहां भी चिकित्सकों ने मुकेश को मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिजन मुकेश के शव को घर उठा लाए। इसी बीच किसी ने सरोजनीनगर पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम ले जाने की कोशिश की। लेकिन परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। बाद में काफी समझाने बुझाने के बाद परिजन पीएम के लिए राजी हुए। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सरोजनीनगर इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य का कहना है कि मृतक मुकेश नशेड़ी था और वह दो बार डीजल चोरी के मामले में जेल जा चुका है। फिलहाल उसकी मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण पता चल सकेगा। मृतक के परिवार में उसकी पत्नी रेखा के अलावा दो मासूम बच्चे हैं।

संक्षिप्त खबरे

करंट की चपेट में आने से बालक जख्मी

अयोध्या। घर कि छत के ऊपर से गुजरे बिजली के ता र कि चपेट आकर 7 वर्षीय अर्पित वर्मा पुत्र गिरीश वर्मा निवासी कुचेरा बाजार कोतवाली बीकापुर का एक हाथ झुलस गया जिसे उसके बाबा रिटायर फौजी ने एम्बुलेंस कि मदद से जिला चिकित्सालय पहुंचाया जहां उसका इलाज चल रहा हैं। बाबा राम कुमार वर्मा ने बताया कि छत पर अर्पित खेल रहा था तभी अचानक उसके रोने कि आवाज सुनाई पड़ी जिस पर घर के सभी लोग छत पर पहुंचे तो देखा कि उसका एक हाथ तार कि चपेट मे था किसी तरह हाथ से तार को छुड़ाया गया तब जाकर उसकी जान बच पाई।

मोटरसाइकिल हुई चोरी

जाना बाजार–अयोध्या। थाना क्षेत्र में बीती रात घर के कंपाउंड से मोटरसाइकिल को चोरों ने पार कर दिया। घटना ग्राम पंचायत हथिगौ मजरे हरिदत्त तिवारी का पुरवा की है। पीड़ित इंदिरारमण तिवारी ने शिकायती पत्र में कहा है कि रिश्तेदारी में तेरही संस्कार में निमंत्रण खाने गया था और वापस आकर घर के कंपाउंड में मोटरसाइकिल खड़ी कर सो गया। सुबह देखा तो मोटरसाइकिल गायब थी। जिसकी सूचना लिखित रूप से थाने की पुलिस को दी है। पीड़ित ने बताया इसके पहले भी तीन बार चोरों ने घर को निशाना बना चुके हैं। थाना प्रभारी शमशेर बहादुर सिंह ने बताया तहरीर मिली है और जांच चल रही है कार्यवाही की जाएगी।

संविधान निर्माता की जमीन पर अवैध कब्जा

उन्नाव। हसनगंज न्यायिक एसडीएम को आधा सैकड़ा से अधिक आजाद समाज पार्टी भीम के कार्यकर्ताओं ने शिकायती पत्र देकर संविधान निर्माता की जमीन को अवैध कब्जे दारो से मुक्त कराने के लिए पत्र दिया है। समय से कब्जा मुक्त न होने पर आंदोलन की भी चेतावनी दी है। पार्टी के पदाधिकारियों ने बताया कि संविधान निर्माता के नाम से जमीन दर्ज है उसके बावजूद भी 40 वर्षों से अवैध रूप से कब्जा है। हसनगंज तहसील के कूल्हा अटौरा गांव में 40 वर्षो से संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर के नाम से कागजों पर जमीन दर्ज है। जिस पर गांव के ही कई लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। जिम्मेदार अधिकारियों को कई बार जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए कहा गया लेकिन अभी तक किसी भी अधिकारी ने इस तरफ ध्यान नहीं दिया है। आजाद समाज पार्टी भीम आर्मी के जिला महासचिव यर्तीद्र चौधरी ने बताया कि यदि 5 दिनों के अंदर जमीन को कब्जा मुक्त नहीं कराया गया तो आंदोलन किया जाएगा। इस संबंध में न्यायिक एसडीएम रामदेव निषाद ने बताया कि पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए शिकायती पत्र दिया है। जल्द ही चिन्हांकन कराकर कब्जा मुक्त कराई जाएगी।

गन्ना पेरते समय कोल्हू में फंसा बुजुर्ग, मौत

हरदोई। हरदोई में गन्ने की पेराई करते समय एक वृद्ध कोल्हू की चपेट में आ गया। कोल्हू में उसका हाथ फंसने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन–फानन में परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने उसको मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान वश्द्ध ने दम तोड़ दिया। माधौगंज थाना क्षेत्र के कुरसठ बुजुर्ग देहात के मजरा मिर्जागंज निवासी वश्द्ध सकटे का पुत्र बुद्धप्रकाश ठेलिया में गन्ना पेरने की मशीन लगाकर गांव–गांव गन्ने का रस बेचता है। बुद्धप्रकाश के मुताबिक उसके पिता पहली बार गन्ने का रस बेचने मशीन लेकर निकले थे। शाम को पास के तकिया गांव में रस निकालते समय कोल्हू की चपेट में आ गए। जिसमें पहले उनका हाथ फंसा और फिर शरीर चपेट में आ गया। आनन–फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। वश्द्ध की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों ने पुलिस को सूचना नहीं दी है। किसी प्रकार का कोई आरोप न होने की वजह से शव का बिना पोस्टमार्टम कराए अंतिम संस्कार कर दिया गया। घटना के बाद परिजनों का रो–रोकर बेहाल है।

सड़क हादसे में घायल इकलौते बेटे की मौत

झांसी। सड़क हादसे के बाद 6 दिनों से झांसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती युवक ने आज दम तोड़ दिया। वह फेरी लगाकर कपड़े बेचकर बाइक से घर लौट रहा था। रास्ते में तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी थी। युवक महोबा के पनवाड़ी का रहने वाला था। मौत के बाद घर में कोहराम मच गया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। घर पहुंचने से पहले हुआ हादसा महोबा के पनवाड़ी निवासी विपिन कुमार 23 पुत्र भागीरथ पाल फेरी लगाकर कपड़े बेचता था। पिता ने बताया कि 28 मार्च को बेटा कपड़े बेचने के लिए निकला था। शाम को वह भरवारा गांव से घर लौट रहा था। भरवारा से एक किलोमीटर आगे तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इसमें विपिन घायल हो गया। उसको कुलपहाड़ के सरकारी अस्पताल में ले गए। वहां से झांसी रेफर कर दिया। इलाज के दौरान आज सुबह विपिन ने दम तोड़ दिया। माता.पिता की इकलौती संतान थी विपिन कुमार अपने माता.पिता की इकलौती संतान थी। मौत के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा है। मां रामश्री बेटे का नाम लेकर बार बार बेहोश हो रही है। विपिन के पिता ई.रिक्शा चलाते हैं।

झांसी में ट्रेन से कटकर महिला की मौत

झांसी। ट्रेन से कटकर एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। वह खेत पर फसल की कटाई करने जा रही थी। कम सुनाई देने के कारण वह ट्रेन की चपेट में आ गई। महिला की मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जनपद के चिरगांव थाना क्षेत्र के नंदसिया गांव निवासी प्रभादेवी 45 पत्नी हरप्रसाद अहिरवार मजदूरी करती थी।

ढाई महीने से खराब वाटर एटीएम को प्रशासक ने कराया ठीक

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज नगर पंचायत के ईओ मनीष राय की क्षेत्र के जनहित के कामो में लापरवाही किसी से छुपी नही है,जब कि नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने नगर पंचायतो में व्यवस्थाये दूरस्त रखने के निर्देश दे रखे है,क्षेत्र में चर्चा है आये दिन ईओ की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने के बाद भी आखिर कोई कार्यवाही क्यो नही हो रही है।ईओ की लापरवाही की कहानी कह रहा है मोहनलालगंज नगर पंचायत के सीएचसी के मुख्य गेट पर डेढ साल पहले आठ लाख रूपये की लागत से लगा वाटर एटीएम व आरओ मशीन जो कि बीते ढाई महीने से खराब पड़ा था,जिसके चलते अस्पताल आने वाले मरीजो व तीमारदारो समेत कर्मचारियों को ठंडा पानी पीने को नही मिल रहा था,सोमवार को मरीजो व तीमारदारो के सब्र का बांध टूट गया,भीषण गर्मी के बाद भी जब लाखो की लागत से लगे वाटर एटीएम से जब उन्हे पीने को ठंडा पानी नही मिला,स्थानीय लोगो ने सोशल मीडिया पर खराब वाटर कूलर की फोटो डालकर उसे ठीक कराये जाने की मांग की।सोशल मीडिया पर वायरल वीडियों को संज्ञान लेकर उपजिलाधिकारीध्प्रशासक हनुमा?न प्रसाद मौर्य ने मौके पर पहुंचकर आस–पास मौजूद लोगो से पुछा तो कई महीनो से वाटर एटीएम मशीन ना चलने की बात पता चली,जिसके बाद उन्होने तत्काल मौके पर नगर पंचायत के कर्मचारियों को तलब कर अपने सामने ही साफ सफाई कराकर वाटर एटीएम चालू कराया।प्रशासक हनुमान प्रसाद मौर्य ने बताया सभी वाटर एटीएम के रख रखाव समेत संचालक के लिये ईओ को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये है, गर्मियो में लोगो को साफ स्वच्छ व ठंडा पानी पीने को मिलेगा।

पिता की डांट से क्षुब्ध होकर युवक ने खाया जहर

हरदोई। जहरीला पदार्थ खाने से एक युवक की मौत हो गई। दरअसल, वह अपनी मर्जी से रिश्तेदारी में ही शादी करना चाह रहा था। जिसको लेकर उसके पिता ने डांट दिया था। इसी बात से क्षुब्ध होकर युवक ने जहर खा लिया। जिससे उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। लोनार थाना क्षेत्र के कस्बा बावन के मोहल्ला सैय्यदवाड़ा निवासी रईस खां के चार बेटे हैं। उसका 22 वर्षीय पुत्र गुलजार तीसरे नम्बर का था। गुलजार रिश्तेदारी में ही अपनी मर्जी से शादी करना चाहता था। जबकि उसके पिता रईस खां उसकी मर्जी के खिलाफ थे। जिस को लेकर उसके पिता ने उसे डांट दिया। इसी बात से नाराज गुलजार ने जहर खा लिया। उसकी हालत बिगड़ने पर आनन–फानन में परिजन उसे बावन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए ले ले गए। जहां उसकी हालत नाजुक देखते हुए मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई।

कूट रचित व साजिश कर जमीन हड़पने का आरोप, पीड़ित ने एसएसपी से लगाई न्याय की गुहार

अयोध्या। पीड़ित आत्मा प्रकाश सिंह निवासी ग्राम बभनियावां मंगलसी तहसील सोहावल निवासी एक सीधा–साधा मामूली पढ़ा–लिखा व्यक्ति है, जो अति जईफ तथा कानून – कायदे में अटूट विश्वास रखता है। विपक्षीगण अजमत अली पुत्र बच्चों इंदु पत्नी सुरेंद्र कुमार जमील अहमद पुत्र अब्दुल मन्नान एक दबंग सर्कस व भूमाफिया किस्म के फ्राडी व्यक्ति हैं, जो आये दिन खुराफात करके कूटरचित ढंग से जमीन की खरीद–फरोख्त करके नाजायज ढंग से हैरान व परेशान किया करते हैं। उक्त भूमि संख्या–94 मिनजुमला स्थित मौजा बभनियावां जिसकी नवईयत बाग है, जिस पर बतौर सहबागदार संक्रमणीय सहभूमिधर के रूप में प्रार्थी दर्ज एवं काबिज व देखील तथा आबाद चला आ रहा है। जिसमें पीड़ित का पुराना पुश्तैनी घर बना है तथा पशुओं के रहने के लिए टीनशेड, शौचालय व नये व पुराने क्रमशः 300 वर्ष के कदम का पेड़ ऑवला, फूल वगैरह समुन्नतियों के साथ काबिज – दखील चला आ रहा है, जिसमें जानिब पश्चिम उत्तर–दक्षिण लम्बाई में दीवाल भी मेरे पूर्वजों द्वारा आदि काल से बनी हुई है।

विपक्षीगणों ने अपनी सम्यक साजिश से पीड़ित की चौहद्दी दिखाते हुए 3 नवंबर 2022 को विपक्षी नं0–2 से साठगाठ करके अपनी सास राजकुमारी पत्नी सुरेन्द्र बहादुर जो अति जईफ थी तथा मृतक हो गयी है, उनसे नुमाइसी एवं फर्जी बैनामा तहसील सोहावल के उपनिबन्धक के यहाँ से बैनामा करा लिया है जिसमें एक गवाह स्वयं इन्दू तथा दूसरे जमील अहमद भी हैं। इस प्रकार पीड़ित की भूमि का विपक्षीगणों द्वारा बैनामा निष्पादन कराये जाने का कोई औचित्य नहीं है जबकि उनकी जमीन अलग पड़ी हुई है, जिसका बैनामा न करके पीड़ित की भूमि की चौहद्दी दिखाकर बैनामा किया व कराया है जो हर दशा में साजिशी व नुमाइशी कूटरचित एवं षडयंत्र पूर्ण है बाद जानकारी जब उल्लिखित विपक्षीगणों से पूंछा तो आमादा फौजदारी हुए और मरने–मारने पर उतारू हो जाते है। गलत ढंग से पीड़ित ने कहा विपक्षीगणों के खिलाफ कार्यवाही हो उसने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से भी लगाई न्याय की गुहार ।

चार वर्षीय बालक को परिवार से मिलाया

सीतापुर। बिसवां कोतवाली क्षेत्र में पुरैनी पुल के निकट पुलिस ने एक बालक को भटकते हुए पाया। उसे भटकते देखकर पुलिस ने उसे अपने पास बुलाया और नाम पता पूछा। पूछने पर बालक ने अपना नाम आयुष बताया। पुलिस द्वारा चार घंटे तक प्रयास करने के उपरांत बालक के परिजनों का पता चल पाया। पुलिस के मुताबिक बालक की पहचान आयुष पुत्र अनिल कुमार निवासी झज्झर थाना बिसंवा के रूप में हुई। पुलिस ने बालक के पिता को थाने पर बुलाया, जिसके बाद उसे पिता के सुपुर्द किया। बालक के पिता ने बताया कि उनका पुत्र सरस्वती विद्या मंदिर मंशाराम कालोनी थाना बिसंवा सीतापुर में पढ़ता है। आज सुबह समय करीब 8.50 बजे से गायब था। काफी खोज–बीन की लेकिन नहीं मिल पा रहा था। इसी बीच पुलिस ने बताया कि बालक उनके पास है। परिजन द्वारा पुलिस के उक्त कार्य की भूरि–भूरि प्रशंसा की गयी। बालक को सकुशल परिवार से मिलाने में प्रभारी निरीक्षक अनिल सिंह, उपनिरीक्षक कृष्ण कुमार, पुलिसकर्मी मोनू बालियान, पीयूष सिंह, गौरव सिंह, नदीम आदि षामिल हैं।

नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने आरसीसी नाले व विकास कार्यों का किया शिलान्यास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा द्वारा उत्तरी विधानसभा क्षेत्र लखनऊ के फैजुल्लागंज के चार वार्डों के लिए कुल 52.75 करोड़ रूपये लागत की विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया। इसके अंतर्गत फैजुल्लागंज की लाखों की आबादी को वर्षों से चली आ रही समस्या जल भराव, गंदगी, संचारी रोग, मच्छर जनित बीमारियों से निजात दिलाने के लिए 45 करोड़ रूपये लागत का 9 किमी. लम्बाई के तथा 4 मी. चौड़े पाइप लाइन आरसीसी नाले का शिलान्यास किया गया। फैजुल्लागंज के चार वार्डों में डूडा एवं सूडा के अंतर्गत नाली एवं सड़क निर्माण के 14 कार्यों के लिए 2.75 करोड़ रूपये की लागत से कराये जाने वाले कार्यों का शिलान्यास किया गया। साथ ही शिलान्यास किये गये सभी विकास कार्यों को एक वर्ष के भीतर पूरा कराने का आश्वासन दिया। राजाजीपुरम में पम्प हाउस मे नई मशीनें लगाने के लिए भी 5 करोड़ रूपये स्वीकृत कर, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के 5 लाभार्थियों को चाबी सौंपी। कुल 100 लाभार्थियों को पीएम आवास की स्वीकृति मिली है, जिन्हें चाबी दी जायेगी। साथ ही उत्तरी विधानसभा का एक वर्ष में कराये गये विकास कार्यों के लेखा जोखा को प्रदर्शित करती पुस्तक ''विकास की राह पर लखनऊ उत्तर'' का विमोचन करने के साथ, एनयूएलएम से तकनीकी शिक्षा प्राप्त 30 विद्यार्थियों के लिए सर्टिफिकेट दिया। मनकामेश्वर वार्ड के सभासद रणजीत सिंह को गोमती सफाई के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उत्तरी विधानसभा के विधायक डा नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, पूर्व महापौर सुरेश अवस्थी, नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह, अपर नगर आयुक्त पंकज सिंह, डूडा के परियोजना अधिकारी सुधीर सिंह, क्षेत्रीय पार्षद, मण्डल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

अब ईवीएम को लेकर नहीं फैलेगा भ्रम, जिलाधिकारी की निगरानी में रहेंगी मशीनें

लखनऊ। अब प्रशिक्षण या रिजर्व में रखे जाने वाली ईवीएम पर साफ–साफ मोटे अक्षरों में दर्ज होगा ईवीएम ट्रेनिंग या ईवीएम रिजर्व ये सभी ईवीएम जिलाधिकारी की निगरानी में रहेंगी। राजनीतिक दलों का भ्रम दूर करने के लिए केन्द्रीय चुनाव आयोग इस लोकसभा चुनाव में यह कदम उठाने जा रहा है। आयोग इस सिलसिले में सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को आदेश देने की तैयारी कर रहा है। दरअसल, मतदान से पहले और मतदान हो जाने के बाद मतगणना के लिए चुनाव ड्यूटी में लगे सरकारी कर्मियों को ईवीएम का प्रशिक्षण दिया जाता है। ऐसे में स्वाभाविक है कि प्रशिक्षण स्थल तक ईवीएम को ले जाया जाता है। ईवीएम को प्रशिक्षण स्थल तक लाए जाने के दौरान राजनीतिक दल के कार्यकर्ता को यह भ्रम हो जाता है कि किसी एक प्रत्याशी या पार्टी के पक्ष में जिला निर्वाचन प्रशासन ईवीएम मशीनें बदल रहा है। ऐसे वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल होने से व्यापक कन्फ्यूजन की स्थिति बनती है। इसके बाद कार्यकर्ता हंगामा करते हैं। ईवीएम लाने वाले सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। इससे सरकारी कामकाज में तो बाधा पड़ती है, साथ ही राजनीतिक दलों को अपने प्रतिद्वन्दी दलों पर आरोप लगाने का मौका मिल जाता है। ऐसा ही नजारा प्रदेश में हुए 2022 के विधानसभा चुनाव में देखने को मिला था। वाराणसी में पिछले साल सात मार्च को मतदान खत्म हो गया था। इसके बाद 8 मार्च को वाराणसी के पहाड़िया मंडी में एक राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं ने ईवीएम मशीन बदले जाने को लेकर जमकर हंगामा किया था। राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं का आरोप था कि प्रशासन ईवीएम मशीन को बदल रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी के लाख समझाने के बाद भी कार्यकर्ताओं ने उनकी नहीं सुनी थी। आखिरकार ईवीएम मूवमेंट का प्रोटोकाल न फालो करने के कारण चुनाव आयोग को एक अपर जिला मजिस्ट्रेट को निलंबित करना पड़ा था। पिछले चुनाव में एक राजनीतिक दल के नेताओं ने इसे मुद्दा बनाकर जगह–जगह बवाल किया। इसी तरह से पिछलों चुनावों में अन्य जिलों में भी बवाल होता रहा है। केन्द्रीय चुनाव आयोग के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इसके बाद ही आयोग ने तय किया है कि अब ट्रेनिंग के लिए या रिजर्व ईवीएम मशीन पर मोटे अक्षरों में ट्रेनिंग ईवीएम और रिजर्व ईवीएम की साफ पर्ची लगाने की जिम्मेदारी जिला निर्वाचन अधिकारी की होगी।

पानी पाइप लाइन टूटने पर वृद्ध किसान की हत्या

प्रयाग दर्पण संवाददाता

झांसी। पानी की पाइप लाइन टूटने पर उपजे विवाद में भतीजे ने लाठी मारकर वृद्ध किसान की हत्या कर दी गई। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दी है। अभी तक परिजनों ने थाने में तहरीर नहीं दी है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। हत्या के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। पोस्टमार्टम कराने मेडिकल कॉलेज पहुंचे परिजन। हत्या के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। पोस्टमार्टम कराने मेडिकल कॉलेज पहुंचे परिजन। मश्तक का नाम नारायण सिंह यादव 61 है। वह सीपरी बाजार थाना क्षेत्र पाड़री गांव का रहने वाला था। उनके साले जसवंत सिंह यादव ने बताया कि जीजा नारायण सिंह खेतीबाड़ी करते थे। उनके भाई ने खेत पर कुआ से अपने घर तक पाइप लाइन डाल रखी है। जो नारायण के खेत से होकर निकलती है। रविवार को नारायण सिंह का बेटा जितेंद्र अपने खेत की जुताई कर रहा था। तभी पानी की पाइप लाइन टूट गई। इसको लेकर भतीजा जितेंद्र के साथ मारपीट करने लगा। तभी नारायण बीच बचाव करने के लिए पहुंच गए।

भतीजे ने लाठी से सिर में वार किया। इससे जीजा जमीन पर गिर गए तो भतीजे ने उनके छाती पर लाठी मारी। इससे वे गंभीर घायल हो गए। उनको तुरंत मेडिकल कॉलेज लेकर आए। जहां से इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गए। वहां इलाज के दौरान नारायण की मौत हो गई। हत्या के बाद फरार हुआ आरोपी हत्या के बाद आरोपी भतीजा फरार हो गया। नारायण के दो बेटे सुनील और जितेंद्र व एक बेटी मंजू है। तीनों की शादी हो चुकी है। वहींए उनकी पत्नी कुसुमा की 2016 में सर्प के काटने से मौत हो चुकी है। मामले में सीपरी बाजार थाना प्रभारी संजय शुक्ला ने बताया कि अभी तक तहरीर नहीं मिली है। पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। जैसे ही तहरीर मिलती हैए उसके आधार पर आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

10–10 हजार के तीन इनामी बदमाश गिरफ्तार

हरदोई। शहर कोतवाली पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह तीनों आरोपी गिरोह बनाकर लूट की वारदात को अंजाम देते थे। इन पर हरदोई पुलिस ने 10 हजार रूपये का इनाम घोषित किया था। जिनको पुलिस ने चेकिंग के दौरान घेराबंदी कर गिरफ्तार किया है। शहर कोतवाली पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों की धरपकड़ के लिए चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने 10 –10 हजार के इनामिया तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपी एआरटीओ चौराहा पर चेकिंग के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

आरोपियों पर कोतवाली शहर में दो और शाहाबाद में एक मुकदमा दर्ज है। पूछताछ में आरोपियों ने नाम इकलाख हुसैन, रतिभान गुप्ता, अरविंद कुमार बताया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। एएसपी पूर्वी नृपेंद्र ने बताया कि चेकिंग के दौरान पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिन पर एसपी ने 10 –10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

डंपर में ट्रक के टकराने से लगी लाग, धू-धू कर जला डंपर

उन्नाव। उन्नाव के दही थाना क्षेत्र के कानपुर लखनऊ नेशनल हाईवे पर एक खराब डंपर को चालक और परिचालक सही कर रहे थे, इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने ओवरटेक के चक्कर में सीधे टकरा गया। जिससे डंपर में आग लग गई। वहीं ड्राइवर आरिफ गंभीर रूप से घायल हो गया है। आग लगते ही डंपर धू धू कर जलने लगा। सूचना पर पहुंची दही थाना पुलिस और दमकल की टीम ने घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान नेशनल हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद यातायात सुचारु ढंग से शुरू कराया है। थाना क्षेत्र के होटल वृंदावन के सामने पांच बजे डंपर चालक आरिफ और खलासी अश्वनी कुमार कानपुर से डंपर लेकर लखनऊ की ओर जा रहे थे। वृंदावन होटल के सामने डंपर खराब हो गया, जिसे दोनों ठीक कर रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने ओवरटेक के चक्कर में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ड्राइवर आरिफ गंभीर रूप से घायल हो गया और डंपर में आग लग गई। चालक आरिफ महाराजपुर पोस्ट सिथमारा और खलासी अश्वनी कुमार पुत्र रामचंद्र ग्राम हसलापुर थाना भोगनीपुर कानपुर देहात के रहने वाले है। टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक ट्रक को लेकर भाग गया है। जिसके बारे में पता कराया जा रहा है। आग लगते ही डंपर धू धू कर जलने लगा। हादसे की जानकारी डायल 112 पुलिस को मिली, इसके बाद दही थाना प्रभारी राघवेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। आग की लपटें देख सूचना दमकल विभाग को दी गई। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने घंटों मशक्कत के बाद डंपर पर आग से काबू पाया। घायल आरिफ को पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। इस दौरान कानपुर से लखनऊ को जाने वाले लेन पर 2 किमी वाहनों की लंबी कतारें करते लग गई। जाम खुलवाने के लिए दही थाना पुलिस समेत एक्शन मोबाइल की टीम ने घंटों मशक्कत के बाद यातायात को सुचारु रुप से शुरू कराया है।

उपमुख्यमंत्री ने तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय (बेली) का किया निरीक्षण

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने अपने जनपद भ्रमण कार्यक्रम के दूसरे दिन सोमवार को तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय (बेली) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ट्रामा सेंटर में वार्डों का निरीक्षण किया तथा वहां पर भर्ती मरीजों का कुशलक्षेम जाना। उन्होंने भर्ती मरीजों से बातचीत करते हुए किए जा रहे इलाज के बारे में जानकारी ली। उन्होंने ब्लड बैंक सहित अन्य कक्षों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सालयों में साफ–सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं को बेहतर बनाये रखने के निर्देश दिए है। कहीं–कहीं पर साफ–सफाई की व्यवस्था ठीक न पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उपमुख्यमंत्री ने सम्बंधित एजेंसी का एक दिन का भुगतान रोके जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने अभियान चलाकर अस्पतालों में साफ–सफाई कराये जाने का निर्देश दिया है साथ ही साथ उन्होंने विद्युत के अव्यवस्थित तारों एवं टूटी हुई फर्शों को तत्काल ठीक कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों के द्वारा बाहर की कोई भी दवा नहीं लिखी जायेगी। सभी दवाओं की अस्पताल में ही व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है।

तत्पश्चात उपमुख्यमंत्री ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका गोहरी, सोरांव का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान साफ–सफाई, भोजनालयों सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय मोहनगंज, विकास खण्ड सोरांव का भी औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में बच्चों से बात भी किया। बच्चों को खाने, ड्रेस सहित अन्य उपलब्ध कराती जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। तत्क्रम में ग्राम पंचायत सचिवालय असवा उर्फ हाजीपुर में बच्चों को अन्नप्राशन संस्कार कराया तथा वहीं पर चौपाल लगाकर जनता की समस्याओं को सुना एवं केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाएं जन–जन तक पहुंचें एवं कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहने पाये तथा पारदर्शिता के साथ योजनाओं का क्रियान्वयन हो। उन्होंने वहां उपस्थित लोगो से जानकारी ली कि शौचालय, पेंशन सहित जो भी योजनाएं है, वे जन–जन तक पहुंच रही है या नहीं। उन्होंने कहा कि खण्ड विकास अधिकारी एवं पंचायत सचिव ये सुनिश्चित करें कि जो भी पात्र लाभार्थी है, उन सबको योजनाओं का शत–प्रतिशत लाभ दिया जाये, जिससे लोगो का भरोस बढ़े। उन्होंने कहा कि एक भी निराश्रित गोवंश सड़क पर छुट्टा घूमते हुए न मिले। उपमुख्यमंत्री जी ने मुख्य पशुचिकित्साधिकारी एवं बीडीओ को निराश्रित गोवंशों को गोआश्रय केन्द्रों में संरक्षित किए जाने के लिए कहा है।

तत्पश्चात उपमुख्यमंत्री ने असवा, हाजीपुर स्थित गेंहू क्रय केन्द्र का निरीक्षण किया तथा वहां पर गेंहू क्रय हेतु की गयी व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली।

तेज रफ्तार बाइक ने साइकिल में मारी टक्कर, चार युवक हुए घायल, दो को गंभीर हालत

अमेठी। अमेठी में तेज रफ्तार बाइक ने साइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो युवक समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी पहुंचाया, जहां से गंभीर हालत में सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बाइक सवार दोनों युवक सुल्तानपुर जिले के रहने वाले हैं, जबकि साइकिल सवार दोनों युवक अमेठी के रहने वाले हैं।

पूरा मामला अमेठी कोतवाली क्षेत्र के बेनीपुर गांव के पास का है, जहां आज सुबह सुल्तानपुर की तरफ से आ रही बाइक ने सामने से आ रही साइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में चारों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई, जिसके बाद स्थानीय ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए और एम्बुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को अमेठी सीएचसी में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने सुल्तानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं दो घायलों को गौरीगंज जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

फिल्मी स्टाइल में की अस्पताल में चोरी, मां को भर्ती कराकर इलाज कराया, फिर चुरा लिए 4.50 लाख रुपए

प्रयाग दर्पण संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर में फिल्म धूम–2 की तरह चोरी करने का मामला सामने आया है। चोर अपनी मां का इलाज कराने के लिए अस्पताल में भर्ती हुआ। जहां उसकी मां का इलाज पूरे एक हफ्ते तक चला। इस दौरान युवक ने अस्पताल के सभी स्टाफ को अपने व्यवहार से इस कदर खुश कर दिया कि सभी उसके व्यवहार के कायल हो गए।

वह इतना खास हो गया कि अस्पताल के सभी कामों की जानकारी भी उसे हो गई। फिर एक दिन उसका अपराधिक और शरीर दिमाग जागा और उसने एक खतरनाक मास्टर प्लान बनाया। जिसके तहत उसने अस्पताल में रखे 4.50 लाख रुपए कैश पर ही अपना हाथ साफ कर दिया। घटना कैंट इलाके के गांधी गली स्थित न्यू उदय हॉस्पिटल में 3 मार्च की है। घटना को अंजाम देने के बाद शातिर चोर ने फिल्मी अंदाज में अपना चेहरा बदल लिया। उसने अपनी बाल और मूंछे छिलवा डाली और टकला हो गया। इतना सब कुछ करने के बाद भी उसकी चोरी पकड़ी गई। उसे तीसरी आंख ने एक्सपोज कर दिया। इसके बाद कैंट पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने चोरी गए रुपए भी बरामद कर लिए। उसके खिलाफ कैंट थाने में केस दर्ज कर पुलिस कार्रवाई कर रही है। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया, झंगहा इलाके के रामपुर बाजार का रहने वाले हरिशंकर जायसवाल की मां को कैंसर बीमारी हैं। जिसका वो गांधी गली स्थित न्यू उदय हॉस्पिटल में इलाज करवा रहा था। हरिशंकर का व्यवहार देखकर डॉक्टर ने पैसे में छूट भी दी थी। हॉस्पिटल में इलाज के दौरान ही हरिशंकर ने एकाउंट शाखा और आने–जाने के रास्ते की रेकी की थी। रेकी के बाद हरिशंकर 30 मार्च की शाम 8 बजे साइकिल से कैप और जैकेट लेकर हॉस्पिटल में दाखिल हुआ और ऊपर स्थित हॉल में जाकर छिप गया। देर रात 1 बजे उसने एकाउंट शाखा का सब्बल से ताला तोड़कर अंदर अलमारी में रखा 4,65,437 लाख रुपया एक प्लास्टिक के पैकेट में रख लिया। चोरी की इस वारदात को अंजाम देने के बाद शातिर हरिशंकर ने सीसीटीवी कैमरे से पहचान छिपाने के लिए मंकी कैप और जैकेट पहना। फिर रुपए से भरा पैकेट लेकर बाहर निकल गया। इतना ही नहीं घर जाकर हरिशंकर बाल छिलवाकर टकला हो गया और मूंछे भी छिलवा दी। जिससे उसे कोई पहचान ना सके। कैंट थाने के सिपाही संजीत यादव ने चोरी की घटना का खुलासा करने में अहम रोल निभाया। मुकदमा दर्ज होने के बाद संजीत ने गांधी गली से लगाए रेलवे स्टेशन तक 15 सीसीटीवी कैमरे से अलग–अलग फुटेज निकलवाई। जिससे ये पता चला कि चोरी के बाद हरिशंकर कहां–कहां गया। एक जगह उसका पूरा चेहरा कैमरे में आ गया। चोर को पकड़न के लिए 24 घंटे तक लगातार संजीत यादव सीसीटीवी कैमरा खंगालते रहे तब जाकर हरिशंकर पकड़ में आया।

संक्षिप्त खबरे

हज 2023 पर जाने वाले हाजी 07 अप्रैल तक प्रथम किश्त के रूप में रूपया 81800/- करें जमा

प्रयागराज। इस सम्बंध में श्री मो0 अमजद नोडल अधिकारी हज के मो0नं0 9935140107 पर सम्पर्क स्थापित ली जा सकती है जानकारी हज 2023 पर जाने वाले हाजियों को प्रथम किश्त के रूप में रूपया 81800/–जमा करने की अन्तिम तिथि 07.04.2023 निर्धारित की गयी है। उक्त धनराशि यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया व भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया में जमा की जा सकती है तथा ऑन लाइन जमा करने हेतु हज कमेटी ऑफ इण्डिया मुम्बई की वेबसाइट द्वारा जारी वेबसाइट www-hajcommittee-gov-in पर जाकर भी जमा किया जा सकता है। जनपद प्रयागराज में कुल 783 हाजियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन किया गया था। जिसमें सभी का चयन किया जा चुका है। जिसमें पुरूष हाजियों की संख्या 424 व महिला हाजियों की सं0 359 है। जनपद स्तर पर 04 हज ट्रेनरों का चयन किया जा चुका है। जिसमें एक महिला ट्रेनर भी है। हज पर जाने वाले हाजियों को ट्रेनिंग, टीकाकरण आदि कैम्प लगाकर किया जायेगा। इस सम्बन्ध में किसी भी तरह की जानकारी प्राप्त करने के लिए श्री मो0 अमजद नोडल अधिकारी हज प्रयागराज के मो0नं0 9935140107 पर सम्पर्क स्थापित कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह जानकारी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने दी है।

बीमा एजेंट समेत 2 पर अपहरण का केस, व्यापारी की पत्नी की तहरीर पर लिखा गया केस

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर के कादीपुर कोतवाली में बीमा कंपनी के एजेंट समेत दो के विरुद्ध अपहरण का मुकदमा दर्ज हुआ है। आरोप है कि लेनदेन को लेकर सात दिन पूर्व दोनों ने कोतवाली क्षेत्र के एक व्यापारी को किडनेप कर लिया है। शनिवार को इस मामले में हाईवे पर चार घंटे प्रदर्शन चला तब कहीं जाकर पुलिस ने विधिक कार्रवाई की है। बता दें कि कादीपुर कोतवाली क्षेत्र के कस्बा निवासी मंगलेश जायसवाल (42) ने किराने की दुकान कर रखा है। परिवार वालों के अनुसार, 27 मार्च को वे कटसारी गांव निवासी संतोष शर्मा के साथ घर से निकले और देर शाम तक घर नहीं लौटे। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन कहीं उनका पता नहीं चला था। दूसरे दिन पुलिस ने पिता प्यारेलाल जायसवाल की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की थी। पांच दिन बीत गए और मंगलेश का कुछ पता नहीं चलने पर शनिवार को परिजनों व सैकड़ों व्यापारियों ने हाईवे जाम कर पटेल चौक पर प्रदर्शन किया था। इसके बाद कादीपुर सीओ शिवम मिश्र ने 48 घंटे के अंदर घटना का खुलासा करने का आश्वासन दिया, तब कहीं जाकर प्रदर्शन समाप्त हुआ था। अब पुलिस ने मंगलेश की पत्नी उर्मिला की तहरीर पर बीमा एजेंट संतोष शर्मा और गांधीनगर निवासी राघवेंद्र प्रताप सिंह के खिलाफ अपहरण कर मुकदमा दर्ज किया है। इंस्पेक्टर रवि कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस मामले में विवेचना कर रही है। शुरुआती जांच में प्रकरण लेनदेन से जुड़ा लग रहा है।

रिंगरोड पर हादसों में दो की मौत

वाराणसी। शिवपुर थाना क्षेत्र में अलग–अलग स्थानों पर सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं तीन वाहन सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं पुलिस ने मृतकों के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रविवार की बीती रात हरहुआ–चांदमारी रिंगरोड पर भोजूबीर भांग ठेका संचालक शिवशंकर यादव का पुत्र अजीत यादव अपने दोस्तों के साथ चांदमारी की तरफ आ रहे थे। तेज रफ्तार वाहन कानूडीह के पास रिंग रोड पर अचानक अनियंत्रित हो गया। एक्सयूवी वाहन पलट गया और हादसे में अजीत यादव की मौके पर मौत हो गई। वाहन दुर्घटना में घायल दीपक यादव, रजत विश्वकर्मा, अमित जायसवाल,शैलेश यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। चौकी प्रभारी चांदमारी गौरव पांडेय ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी हाउस पंडित दीनदयाल अस्पताल में रखवाया। वहीं घायलों को उपचार के लिए भर्ती कराया गया, एक की हालत गंभीर है।उधर, शिवपुर थाना क्षेत्र के हरिहरपुर में अज्ञात वाहन ने बाइक सवार ने दूसरे बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में दिनेश राजभर निवासी कानूडीह चांदमारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर परिजनों को बुलाया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा है।

धर्म परिवर्तन न करने पर चंदा हत्या काण्ड के आरोपियों पर कार्यवाही का इंतजार

कौशाम्बी। धर्म परिवर्तन न करने पर मौत के घाट उतारी गई चंदा देवी के हत्यारे आरिफ को पुलिस ने मुडभेड के दौरान घायल कर गिरफ्तार करके सलाखों के पीछे भेज दिया गया । लेकिन चंदा को धर्म परिवर्तन कराने वाले उन ठेकेदारों को जो भरी पंचायत मे चंदा को प्रताड़ित करने का फरमान सुनाया था। इस प्रकरण मे मश्तका की मां की तहरीर पर १०० अज्ञात और १० लोगो को नामजद अभियुक्त बनाया गया था। मूख्य अभियुक्त के जेल जाने के बाद इस प्रकरण को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। जब कि मिर्दहन का पूरा के कुछ शोरेपुस्त जो समाज के ठेकेदार है और मौलवी जिसने धर्म परिवर्तन न करने पर दंड देने का फरमान सुनाया था पुलिस की पहुंच व पकड से दूर है । चंदा की छोटी बेटी सश्फि ने अपने बयान मे कहा था कि मेरी मम्मी को मौलवी के कहने पर पंचायत मे पीटा गया था। ऐसे अज्ञात सौ अपराधियों पर कार्यवाही होगी अथवा खामोशी के बस्ते मे बंद फाइल बंद कर दी जाएगी। मश्तका चंदा सिंह की मां रानी देवी व बेटी बरखा और सश्फि को अपनी मां की हत्या के सहयोगियों पर कार्यवाही का इंतजार है । नामजद अभियुक्तों पर पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल करने की योजना बनाई हो लेकिन अज्ञात पर अभी तक किसी प्रकार की आरोपियों पर कार्यवाही होने का मृतका के परिजनो को इंतजार है।

जिलाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी ने नगरीय निकाय निर्वाचन-2023 की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक की

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में नगरीय निकाय निर्वाचन–2023 की तैयारियों के सम्बंध में आरओ, एआरओ तथा प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने नगर निकाय निर्वाचन से सम्बन्धित अधिकारियों को अपने कार्यो से सम्बंधित तैयारियों को समय से सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को मतदान केन्द्रों पर सभी मूलभूत व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने मतदान कार्मिकों का ठीक ढंग प्रशिक्षण कराये जाने हेतु आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के साथ–साथ कम्यूनिकेशन प्लान को भी व्यवस्थित ढंग से बनाये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कंट्रोल रूम बनाने तथा उसमें सभी आवश्यक व्यवस्थायें समय से सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिया है। बैठक में कार्मिक व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, संवेदनशील तथा अतिसंवेदनशील बूथों, आदर्श आचार संहिता अनुपालन, शांति व्यवस्था, निर्वाचन व्यय लेखा, टेण्टेज, बैरिकेटिंग सहित अन्य व्यवस्थाओं से सम्बंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां समय से सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री गौरव कुमार, एडीएम प्रशासन श्री हर्षदेव पाण्डेय, एडीएम वित्त एवं राजस्व श्री जगदम्बा सिंह, एडीएम सिटी श्री मदन कुमार, एडीएम आपूर्ति श्री जे0पी0 सिंह सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वाराणसी आयुर्वेद अस्पताल की ओपीडी बीआई, हड़ताल पर डॉक्टर्स

वाराणसी। वाराणसी के राजकीय आयुर्वेद कॉलेज के डॉक्टर्स हड़ताल पर हैं। मरीजों को बिना इलाज और दवा के अस्पताल से लौटना पड़ रहा है। ओपीडी पर्ची काउंटर को ठप कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि पिछले 3 महीने से डॉक्टरों को स्टाइपेंड नहीं मिली है। दिसंबर, जनवरी और फरवरी महीने का छात्रवेतन न मिलने से डॉक्टरों ने काम बंद कर धरना शुरू कर दिया है। चौकाघाट स्थित राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल में इस वजह से इलाज कार्य भी बाधित हो रहा है। मरीजों को ओपीडी में दिखाने और वार्ड में केयर में काफी समस्याएं आ रहीं हैं। डॉक्टरों ने कहा कि प्रिंसिपल ने अभी तक हमारी समस्याओं का हल नहीं निकाला है। डॉक्टरों ने कहा कि जब तक हमारी समस्या का समाधान नहीं दिया जाएगा, हम लोग ऐसे ही धरनारत रहेंगे। धरना दे रहे छात्र राजकीय आयुर्वेद कॉलेज से एमडी और एमएस कर रहे हैं। उनका कहना है कि हमें अभी तक स्टाइपेंड नहीं मिला है। इससे वित्तीय वर्ष 2022–23 के लिए बचत कर पाना मुश्किल हो रही है। यदि, दिसंबर 2022, और जनवरी–फरवरी 2023 का स्टाइपेंड वित्तीय वर्ष 2023–24 में प्राप्त होगा तो फिर हमारी उस साल की आय अनावश्यक रूप से ज्यादा हो जाएगी। डॉक्टरों ने कहा कि इस वजह से उन्हें आयकर के ज्यादा पैसे देने पड़ जाएंगे। इसमें हमारा कोई दोष भी नहीं है। छात्रों ने कहा कि प्रशासन से मांग है कि हमारे स्टाइपेंड का पेमेंट कुछ इस तरह से करें कि इसकी गणना पिछले वित्तीय वर्ष 2022–23 में ही हो।

माफिया को संरक्षण देना दरोगा को पडा भारी, दो दरोगा निलम्बित

कौशाम्बी। उमेश पाल शूटआउट केस मे माफिया अतीक अहमद के बहनोई डॉ अखलाक अहमद की कार शूट आउट के बाद संदीपनघाट थानान्तर्गत मिली लावासि काएसपी को जानकारी नही दी गई, इससे से दोनो दरोगा को लापरवाही बरतने पर निलम्बित कर दिया गया। संदीपन घाट थाना क्षेत्र मे उमेश पाल और दो गनर की हत्या करने वाले शूटर द्वारा जिस गाडी का प्रयागराज से भागने मे प्रयोग किया गया वह गाडी थाना क्षेत्र मे लावारिस पाई गई, लेकिन पुलिस अधीक्षक को जानकारी थानाध्य और चौकी इर्चाज द्वारा एसपी को नही दह गई, बल्कि पुलिस ने कार को लावारिस में दाखिल कर दिया था। पुलिस के आला अधिकारियों को मामले की सूचना नहीं दी गई। मामले का खुलासा होने पर एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने संदीपन घाट थाना प्रभारी राकेश राय और चौकी चार्ज कृष्ण कुमार यादव को लापरवाही बरतने पर सस्पेंड कर दिया गया। २४ फरवरी को उमेश पाल शूट आउट कांड हुआ था। जिसके बाद छापेमारी चल रही थी।

समर की लोकेशन ट्रैस नहीं कर सकी पुलिस

वाराणसी। सारनाथ के होटल में 26 मार्च को भोजपुरी एक्ट्रेस आंकाक्षा दुबे (27) की मौत अब तक पहेली बनी हुई है। पुलिस आकांक्षा की मौत में आरोपी समर सिंह और उसके भाई संजय सिंह को ट्रैस नहीं कर पाई है। मौत के आठ दिन बाद भी सारनाथ पुलिस समर का सुराग लगाने में नाकाम रही है। पुलिस के हाथ खाली और समर गिरफ्त से दूर। वहीं पुलिस कमिश्नर ने टीमें गठित कर अविलंब गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे की मौत का कारण अब तक स्पष्ट हो नहीं सका। वहीं होटल से लेकर मालीक्यूबार तक सामने आ रहे वीडियो भी नई कहानी सुना रहे हैं। चंद घंटे पहले की इन तमाम वीडियो में आकांक्षा पूरी तरह से नार्मल और खुश नजर आ रही हैं। इसके कुछ देर बाद सुसाइड से पहले वह इंस्टाग्राम पर लाइव थीं। इसमें वह फूट–फूटकर रोती नजर आईं। लेकिन, मौत की वजह अब तक अस्पष्ट है। सवाल उठ रहे कि आकांक्षा किस दबाव में थी? ऐसा कदम क्यों उठाया? इन सवालों के जवाब एक सप्ताह बाद भी नहीं मिले हैं।वारदात के बाद बदलती लोकेशन आकांक्षा दुबे आत्महत्या मामले में भोजपुरी सिंगर समर सिंह और उसके भाई संजय सिंह की लोकेशन वारदात के बाद लगातार तीन बार बदली। आजमगढ़ से गोरखपुर हाईवे पर फोन बंद हो गया और आखिरी लोकेशन गोरखपुर हाईवे बताई गई। पुलिस ने आजमगढ़, गोरखपुर, पटना में दबिश भी दी लेकिन समर का पता नहीं लग सकी। अब उनके परिजनों ने आरोपियों के विदेश भाग जाने की आशंका जताई है, पुलिस से लुकआउट नोटिस की मांग की है।सीएम से मिलने की तैयारी में आकांक्षा की मां एक्ट्रेस आकांक्षा दुबे की मौत के बाद उनकी मां अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से न्याय की गुहार लगाएंगी। मधु दुबे ने सीएम से मिलने की तैयारी कर ली है और वे जल्द ही लखनऊ जाएंगी। कहा कि आकांक्षा की मौत के आरोपियों की गिरफ्तारी और सजा के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलेंगी। बुलडोजर बाबा से मिलकर समर सिंह और उसके भाई संजय सिंह के घर बुलडोजर चलवाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपनी बेटी के हत्यारों को पकड़वाने की गुहार लगाऊंगी, न्याय नहीं मिला तो वहीं आत्महत्या कर लूंगी। बेटी को समर सिंह ने मारा है। जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होगी, वे चैन से नहीं बैठेंगी।

मेडिकल स्टोर की आड़ में अवैध अल्ट्रासाउंड का धंधा, दुकानें सीज

प्रयाग दर्पण संवाददाता

सिद्धार्थनगर। गोल्हौरा थानाक्षेत्र के जिगनिहवा चौराहे पर मेडिकल स्टोर की आड़ में अवैध तरीके से अल्ट्रासाउंड चला रहे दो लोगों के यहां छापेमारी कर प्रशासन ने उन्हें सील कर दिया है और मशीनों को कब्जे में ले लिया है। उक्त दुकानों से भारी मात्रा में प्रतिबन्धित व एक्सपायरी दवाइयां, इंजेक्शन आदि भी बरामद किया है। सोमवार को उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार व स्वास्थ्य विभाग तथा गोल्हौरा थाना पुलिस ने जिगनिहवा चौराहे पर हिंदुस्तान फार्मा क्लिनिक व जोहरा फार्मा क्लिनिक सेंटर पर छापेमारी किया। दोनों दुकानों से एक–एक अदद अल्ट्रासाउंड मसीन, ग्लूकोज की प्रयोग की गईं खाली बोतलें, भारी मात्रा में प्रतिबंधित व एक्सपायरी तथा बच्चों की दवाइयां तथा ऑपरेशन करने का किट आदि बरामद कर कब्जे में ले लिया है। और हिंदुस्तान फार्मा संचालक समद अली को पुलिस के हिरासत में सौंप दिया। जोहरा फार्मा का संचालक छापेमारी की सूचना पर दुकान में ताला लगाकर कहीं चला गया। उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार ने उसकी दुकान का ताला तोड़वाकर बरामदगी कराया, और दोनों दुकानों को सील करा दिया है। छापेमारी के डर से चौराहे की मेडिकल की कई दुकाने बन्द रहीं। क्षेत्र में अन्य मेडिकल के अवैध कारोबारियों में हड़कम्प मच गया है। उस बाबत उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार व स्वास्थ्य टीम ने कहा कि काफी दिनों से इन दुकानों के बारे में सूचना मिल रही थी। जिसके क्रम में यह कार्रवाई की गई है। पकड़े गए दोनों के खिलाफ विधिक कार्रवाई कराई जाएगी। कहा कि छापेमारी का क्रम आगे भी जारी रहेगा। एसएचओ बलजीत राव ने कहा कि पूछताछ व जांच के बाद मुकदमा दर्ज किया जाएगा। फिलहाल जो भी हो इसी तरह ग्रामीण क्षेत्र में अवैध अल्ट्रासाउंड संचालकों द्वारा लिंग परीक्षण व गर्भपात का व्यवसाय कई अन्य स्थानों पर भी फल फूल रहा है। देखना यह है कि प्रशासन उन तक भी पहुंच कर ऐसी कार्रवाई करेगा या नही भविष्य के गर्भ में है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने विद्युत सुरक्षा, औसत विद्युत आपूर्ति, खण्डवार स्थापित एवं क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर, ट्रांसफार्मर ट्राली, ग्रीष्म कालीन ऋतु में विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से बनाये रखने हेतु किए जाने वाले कार्य, नवसृजित/विस्तारित नगर निकायों में विद्युत आपूर्ति हेतु किए जाने वाले कार्य आदि की विस्तार से समीक्षा की। विद्युत सुरक्षा के सम्बंध में समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने विद्युत सुरक्षा अधिकारी व मुख्य अग्निशमन अधिकारी को बड़े शॉपिंग काम्पलेक्स, मल्टीस्टोरी बिल्डिंग, हॉस्पिटल, होटल, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों, सिनेमा हॉल, गेस्ट हाउस, स्कूलों, कोचिंग संस्थानों को तीन दिन के अंदर नोटिस भेजकर फायर सेफ्टी नार्म्स का अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने जिन स्थानों पर तारों का जालगुच्छा बना हुआ है, उन्हें चिन्हित करते हुए तत्काल हटायें जाने एवं जर्जर तारों को ठीक कराये जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने विद्युतशार्ट सर्किट से होने वाली दुर्घटनाओं की तहसीलवार सूचना उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक दुर्घटना की ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने का का निर्देश दिया है, जिससे कि दुर्घटना के बारे में सही ढंग से जानकारी हो सके। उन्होंने कहा कि जहां पर विद्युत से दुर्घटनाएं ज्यादा घटित हो रही हो, उन स्थानों पर विशेष रूप से जर्जर तारोंलाइनों को चिन्हित कर तत्काल ठीक कराया जाय। जिलाधिकारी ने उन क्षेत्रों को चिन्हित करने का निर्देश दिया है, जहां पर विद्युत रेवेन्यू कम है लेकिन लोड ज्यादा है। जिलाधिकारी ने अग्निकांड से सबसे ज्यादा संवेदनशील बारा, कोरांव, मेजा तहसीलों में दिन के समय 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रखने के निर्देश दिए है, जिससे कि खेतों व अन्य स्थानों पर शार्ट सर्किट से होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके।जिलाधिकारी ने ग्रीष्म कालीन ऋतु में विद्युत आपूर्ति को सुचारू रूप से बनाये रखने हेतु ओवरलोड ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि, नये ट्रांसफार्मर लगाने तथा ओवरलोड लाइनों को विभाजित किए जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु अतिरिक्त मोबाइल ट्रांसफार्मर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है तथा प्रत्येक माह ब्रेकडाउन होने वाले ट्रांसफार्मरों का आंकड़ा उपलब्ध कराये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने नवसृजित/विस्तारित नगर निकायों में विद्युत आपूर्ति हेतु किए जाने वाले कार्य एवं आवंटित धनराशि की समीक्षा करते हुए क्लस्टरवाइज नयी लाइनों का निर्माण व पूर्व स्थापित इंफ्रास्ट्रक्चर का सुदृढ़ीकरण कराये जाने व कराये जा रहे कार्यो की लगातार मानीटरिंग करते रहने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने बैठक में ग्रामीण क्षेत्र, तहसील मुख्यालय, जनपद मुख्यालय दैनिक आवश्यक विद्युत आपूर्ति के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने जिला पंचायतराज अधिकारी को जिन विद्यालयोंआंगनबाड़ी केन्द्रों में विद्युत का कनेक्शन नहीं है, वहां पर विद्युत कनेक्शन करायें जाने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी सहित विद्युत विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–ः संस्थापक ः–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)
मोबाइल नंबर 9450475366
Email
prayagdarpan@gmail.com
R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।